द्विवर्षीय शिक्षाचार्य (एम.एड)

क्रेडित आधारित पाठ्यक्रम

शैक्षणिक सत्र 2021 - 2022

(As per NCTE-2009 and Revised Two Years B.Ed. NCTE- 2014)

शिक्षा सङ्काय

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

बी-४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-११००१६

द्विवर्षीय शिक्षाचार्य (एम.एड.)

क्रेडिट आधारित पाठ्यक्रम

शैक्षणिक सत्र 2021-2023 से लागू

M.Ed Two Years Credit Based Curriculum

(As per NCTE-2014, Regulation and NEP-2020)

शिक्षापीठ

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली–110016

द्विवर्षीय शिक्षाचार्य (एम. एड.) पाठ्यक्रम

उद्देश्य

द्विवर्षीय शिक्षाचार्य (एम. एड.) पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रारम्भिक या माध्यमिक स्तर की शिक्षा के क्षेत्र में विशिष्टतत्व प्राप्त अध्यापक शिक्षक तैयार करना है जोकि संस्कृत शिक्षा के क्षेत्र में अपना विशेष योगदान प्रदान कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त इस पाठ्यक्रम के उद्देश्य निम्नलिखित है।

- शिक्षा के दार्शनिक परिप्रेक्ष्य में चिन्तन करने की क्षमता का विकास करना।
- शिक्षा के मनोवैज्ञानिक आधार से सम्बन्धित सम्प्रत्ययों में अन्तर्दृष्टि का विकास करना।
- शैक्षिक अनुसन्धान की विधियों का प्रयोग संस्कृत शिक्षा के संवर्द्धन में करने की क्षमता का विकास करना।
- शैक्षिक प्रौद्योगिकी का शिक्षण-अधिगम परिस्थितियों में अनुप्रयोग करने की क्षमता का विकास करना।
- शिक्षा के सामाजिक परिप्रेक्ष्य से अवबोध कराना।
- अध्यापक शिक्षा के स्वरूप एवं विकास से परिचित कराना।
- शैक्षिक शोध में प्रदत्त विश्लेषण की क्षमता विकसित करना।
- शैक्षिक निर्देशन एवं उपबोधन को अनुप्रयोग करने से सम्बन्धित क्षमता का विकास करना।
- पर्यावरण के संरक्षण एवं सुरक्षा के प्रति संवेदनशील बनाना।
- विभिन्न देशों के शिक्षा प्रणाली के स्वरूप एवं संरचना से परिचित कराना।
- संस्कृत शिक्षा के विकास एवं शोध के क्षेत्रों से अवगत कराना।
- प्रारम्भिक या माध्यमिक स्तर की शिक्षा के पाठ्यक्रम अभिकल्पन की क्षमता का विकास करना।
- प्रारम्भिक या माध्यमिक स्तर की शिक्षा में शैक्षिक प्रबन्धन एवं नेतृत्व क्षमता का विकास करना।
- प्रारम्भिक या माध्यमिक स्तर की शिक्षा में शैक्षिक प्रबन्धन एवं नेतृत्व क्षमता में अधिगम आकलन की दक्षता विकसित करना।
- किसी शोध समस्या का सोपानिक क्रम में समाधान ज्ञात करने की क्षमता का विकास करना।
- समस्या निरूपण, शोध विधि, प्रतिदर्श एवं उपकरण चयन, प्रदत्त संकलन एवं विश्लेषण से सम्बन्धित क्षमताओं का विकास करना।
- शोध प्रतिवेदन लेखन से सम्बन्धित दक्षताओं का विकास करना।

द्विवर्षीय शिक्षाचार्य (एम.एड.) क्रेडिट आधारित पाठ्यक्रम स्वरूप

द्विवर्षीय शिक्षाचार्य (एम.एड.) पाठ्यक्रम 2000 अंक एवं 80 क्रेडिटस का है जिसकी क्रियान्विति चार सेमेस्टरों में होगी। प्रत्येक सेमेस्टर 500 अंक एवं 20 क्रेडिटस का होगा। इस द्विवर्षीय पाठ्यक्रम के अन्तर्गत चार मुख्य घटक है सैद्धान्तिक, प्रायोगिक, विद्यालय सम्बद्धता एवं लघु शोध प्रबन्ध। इसके अतिरिक्त शैक्षिक गतिविधियाँ को भी चार सेमेस्टरों में यथा स्थान समाहित किया गया है।

इन घटकों के कोर्सेज का स्वरूप निम्नलिखित तालिका में प्रस्तुत है।

कुल अंक = 2000 कुल क्रेडिटस = 80+8*

द्विवर्षीय शिक्षाचार्य (एम.एड.) पाठ्यक्रम के मुख्य घटक एवं कोर्स का स्वरूप

मुख्य घटक (Main Compinants)	कोर्स का नाम (Name of Course)	कोर्स की संख्या (No.of Course)	कुल अंक (Credits)	क्रेडिटस (Credits)	कुलक्रेडिटस (Credits)
(A) सैद्धान्तिक (Theory)	(i) संकेन्द्रिक परिप्रेक्ष्य (Core Perspective)	04	400	16	52 (1300अंक)
	(II) संकेन्द्रिक उपकरण (Core Tool)	03	300	12	
	(i) संकेन्द्रिक अध्यापक शिक्षा (Core Teacher Educatoion)	01	100	04	
	(iii) संकेन्द्रिक अनिवार्य (Core Ocmpulsory)	01	100	04	
	(iv) वैकल्पिक (Elective i)	02	200	08	
	(v) विशेषज्ञता (Specialization)	01 (क या ख)	100	04	
	(vi) विशिष्ट प्रकरण आधारित वैकल्पिक (Theme Based Elective)	01 (क-i-iii) या (ख- i-iii)	100	04	
प्रायोगिक (practicum)		03	300	12	12 (300अंक)
संस्था सम्बद्धता (Institutional Attachment)		02	200	08	08 (200अंक)
लघु शोध प्रबन्ध (Dissertation)		...	200	08	08 (200अंक)
शैक्षिक गतिविधियाँ		04	200	...	08*

*80%उपस्थिति अनिवार्य

165

द्विवर्षीय शिक्षाचार्य (एम.एड.) पाठ्यक्रम संरचना का प्रारूप

कुल अंक = 2000 कुल क्रेडिट्स = 80+8*

कोर्स का नाम (Name of the Course)	कुल अंक (Marks)	क्रेडिट्स (Credits)	कोर्स की संख्या (No. of Course)	कुल क्रेडिट्स (Credits)
प्रथम सेमेस्टर (First Semester)	500			20
सैद्धान्तिक (Theory)	400	--	04	16
संकेन्द्रिक परिप्रेक्ष्य (Core Perspective)	200	04	02	08
संकेन्द्रिक उपकरण (Core Tool)	200	04	02	08
प्रायोगिक (practicum)	100	04	1(i-v)	04
द्वितीय सेमेस्टर (Second Semester)	500			20
सैद्धान्तिक	400	--	04	16
संकेन्द्रिक परिप्रेक्ष्य (Core Perspective)	200	04	02	08
संकेन्द्रिक उपकरण (Core Tool)	100	04	01	04
संकेन्द्रिक अध्यापक शिक्षा (Core T-E)	100	04	01	04
प्रायोगिक (practicum)	100	04	1(i-v)	04
तृतीय सेमेस्टर (Third Semester)	500			20
सैद्धान्तिक	400	--	02	08
विशेषज्ञता विषय (Specialization)	100	04	01 (क / ख)	04
विशिष्ट प्रकरण आधारित वैकल्पिक (Theme Based Elective)	100	04	01(क / ख–3)	04
संस्था सम्बद्धता (Institution Attachment)	200	08	02	08
प्रायोगिक (practicum)	100	04	1(i-v)	04
चतुर्थ सेमेस्टर (Fourth Semester)	500			20
सैद्धान्तिक (Theory)	300	--	03	12
संकेन्द्रिक अनिवार्य (Core Ocmpulsory)	100	04	01	04
वैकल्पिक (Elective i)	100	04	1(i-v)	04
वैकल्पिक (Elective ii)	100	04	1(i-v)	04
लघु शोध प्रबन्ध(Dissertation)	200	08	--	08
शैक्षिक गतिविधियाँ *80%उपस्थिति अनिवार्य	200	02*	04	08*

शिक्षाचार्य (एम.एड.) प्रथम वर्ष
प्रथम सेमेस्टर पाठ्यक्रम स्वरूप

कुल अंक = 500
कुल क्रेडिट्स = 20+2*

कोर्स कोड (Course code)	कोर्स संख्या (course No.)	कोर्स का नाम (Name of the course)	कोर्स श्रेणी (Course Category)	कुल अंक (Total Marks)	कुल क्रेडिट्स (Total Credits)	घण्टे / सप्ताह (Hours/ weeks)	घण्टे / सेमेस्टर (Hours/ Semester)
		Theory (सैद्धान्तिक)		**400**	**16**	**20**	**400**
201	1	शिक्षा का दार्शनिक परिप्रेक्ष्य(Philosophical Perspectives of Education)	संकेन्द्रिक परिप्रेक्ष्य (Core Perspective)	100 75 (E)+25 (I)	04	04	80
202	2	शिक्षार्थी एवं अधिगम का मनोविज्ञान (Psychology of Learner and Learning)	संकेन्द्रिक परिप्रेक्ष्य (Core Perspective)	100 75 (E)+25 (I)	04	04	80
203	3	शैक्षिक अनुसंधान प्रविधि (Methodology of Educational Research)	संकेन्द्रिक उपकरण (Core Tool)	100 75 (E)+25 (I)	04	04	80
204	4	शैक्षिक प्रौद्योगिकी (Educational Technology)	संकेन्द्रिक उपकरण (Core Tool)	100 75 (E)+25 (I)	04	04	80
211		**प्रायोगिक (Practicum)**	प्रायोगिक **(Practicum)**	**100**	**04**	**08**	**160**
(i)		आधुनिक एवं भारतीय दार्शनिको के शैक्षिक विचारों का समीक्षात्मक अध्ययन।		20			
(ii)		मनोवैज्ञानिक चिन्तन धाराओं (व्यवहारवादी, संज्ञानवादी, रचनावादी) के अग्रणी चिन्तकों के अवदान का समीक्षात्मक अध्ययन।		20			
(iii)		शोध उपकरण निर्माण (कम से कम एक उपकरण निर्माण अपेक्षित है)।		20			
(iv)		अनुदेशनात्मक सामग्री निर्माण एवं प्रस्तुतीकरण।		20			
(v)		सेमेस्टर आधारित अन्तर्वस्तु परक संगोष्ठी एवं पत्र प्रस्तुति।		20			
212		शैक्षिक गतिविधियाँ **(Educational Activities)**	अनिवार्य Compulsory	50	2*	80% अनिवार्य	
(i)		सस्कृत सप्ताह					
(ii)		परिसर आधारित स्वच्छता अभियान					
(iii)		खेल–कूद					
(iv)		सस्कृत सम्भाषण शिविर					

शिक्षाचार्य (एम.एड.) द्वितीय वर्ष
तृतीय सेमेस्टर पाठ्यक्रम स्वरूप

कुल अंक = 500

कुल क्रेडिट्स = 20+2*

कोर्स कोड (Course code)	कोर्स संख्या (course No.)	कोर्स का नाम (Name of the course)	कोर्स श्रेणी (Course Category)	पूर्ण अंक (Total Marks)	कुल क्रेडिट्स (Total Credits)	घण्टे / सप्ताह (Hours/ weeks)	घण्टे / सेमेस्टर (Hours/ Semester)
		Theory (सैद्धान्तिक)		**200**	**8**	**10**	**200**
241	9	विशेषज्ञता विषय (Specialization)	विशेषज्ञता (Specialisation) (निम्नलिखित में से कोई एक)	100 75 (E)+25 (I)	04	04	80
241- क	9-I	प्रारम्भिक शिक्षा (Elementary Education)		100 75 (E)+25 (I)	04	04	80
		या					
241- ख	9-II	माध्यमिक शिक्षा (Secondary Education)					
242	10	विशिष्ट प्रकरण आधारित वैकल्पिक (Theme Based Elective) **विशेषज्ञता आधारित खण्डों में से कोई एक।**					
	10- क	**प्रारम्भिक शिक्षा में (In Elementary Education)**					
	10-क(i)	पाठ्यक्रम विकास (Curriculum Development)					
242	10-क(ii)	शैक्षिक प्रबन्धन एवं नेतृत्व Educational Management & Leadership					
242	10-क(iii)	अधिगम आकलन (Assessment of Learning)					
		या (Or)					
242	10- ख	माध्यमिक शिक्षा में (In Secondary Education)					
242	10-ख(i)	पाठ्यक्रम विकास (Curriculum Development)					
	10-ख(ii)	शैक्षिक प्रबन्धन एवं नेतृत्व Educational Management & Leadership					
	10-ख(iii)	अधिगम आकलन (Assessment of Learning)					
243		संस्था सम्बद्धता (Institution Attachment)		200	8		8 Weeks
(i)		अध्यापक शिक्षा संस्थागत सम्बद्धता (Teacher Education Institutional Attachment)		100	4	-	4 weeks
(ii)		विशेषज्ञता आधारित संस्था सम्बद्धता (Specialisation based Institution Attachment)		100	4	-	4 weeks

शिक्षाचार्य (एम.एड.) द्वितीय वर्ष
चतुर्थ सेमेस्टर पाठ्यक्रम स्वरूप

कुल अंक = 500
कुल क्रेडिट्स = 20+2*

कोर्स कोड (Course code)	कोर्स संख्या (course No.)	कोर्स का नाम (Name of the course)	कोर्स श्रेणी (Course Category)	कुल अंक (Total Marks)	कुल क्रेडिट्स (Total Credits)	घण्टे / सप्ताह (Hours/ weeks)	घण्टे / सेमेस्टर (Hours/ Semester)
		Theory (सैद्धांतिक)		200	08	08	160
261	11	संस्कृत शिक्षण शास्त्र (Sanskrit Pedagogy)	संकेन्द्रिक अनिवार्य (Core Compulsory)	100 75 (E)+25 (I)	04	04	80
262	12	ऐच्छिक –(निम्नलिखित में से कोई एक) (Optional -Any one of the following)	वैकल्पिक (Elective) i	100 75 (E)+25 (I)	04	04	80
262- i	12- I	मूल्य शिक्षा (Value Education)					
262- ii	12- II	योग शिक्षा (Yoga Education)					
262- iii	12- III	प्राचीन शिक्षा का इतिहास एवं दर्शन (Philosophy & History of Ancient Education)					
262-iv	12- IV	मानवाधिकार शिक्षा (Human Rights Education)					
262-v	12- V	दूरवर्ती शिक्षा (Distance Education)					
263	13	ऐच्छिक निम्नलिखित में से कोई एक (Optional -Any one of the following)	वैकल्पिक (Elective) ii	100 75 (E)+25 (I)	04	04	80
263- i	13- I	समावेशी शिक्षा (Inclusive Education)					
263- ii	13- II	निर्देशन एवं उपबोधन (Guidance & Counselling)					
263- iii	13-III	पर्यावरण शिक्षा(Environmental Education)					
263- (iv)	13- IV	तुलनात्मक शिक्षा (Comparative Education)					
263- (v)	13- V	भाषा शिक्षा (Language Education					
264		लघु शोध प्रबन्ध (Dissertation)	क्षेत्र आधारित शोध (Field based Research)	200	08	-	-
(i)		पूर्व लघुशोध प्रबन्ध संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण ।		50(I)			
(ii)		लघुशोध प्रबन्ध		100(E)			
(iii)		मौखिकी		50(E)			
271		शैक्षिक गतिविधियाँ (Educational Activities)	अनिवार्य Compulsory	50	2*	80% अनिवार्य	
(i)		शैक्षिक भ्रमण (विभाग द्वारा अपने व्यावहारिक संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर)					
(ii)		राष्ट्रीय/ राज्य स्तरीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुति(किसी विश्वविद्यालय या महाविद्यालय में आयोजित					
(iii)		लक्ष्य समूह परिचर्चा एवं विमर्शी प्रतिवेदन					
(iv)		सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन					

सैद्धान्तिक पत्रों हेतु प्रश्नपत्र का स्वरूप
(Structure of the Question Paper for Theory Papers)

कुल अंक = 100
(Total Marks)

75 अंक = बाह्य (लिखित परीक्षा)
75 Marks =External (Written Examination)

25 अंक = आन्तरिक (सत्रीय कार्य)
25 Marks= Internal (Sessional Work)

लिखित परीक्षा हेतु प्रश्नपत्र स्वरूप:

प्रश्न का स्वरूप (Form of the Question)	प्रश्न प्रकार (Type of Question)	प्रश्नों की संख्या (No. of Questions)	अंक / प्रश्न (Marks/ Question)	कुल अंक (Total Marks)
(क) अनिवार्य (Compulsory)	लघु–उत्तरीय (Short Answer)	5 (प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न) (One Questions from each unit)	2 अंक / प्रश्न	5 (प्रश्न) x 2 (अंक) = 10
		5 (प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न) (One Questions from each unit)	3 अंक / प्रश्न	5 (प्रश्न) x 3 (अंक) = 15
(ख) आन्तरिक विकल्प (Internal Choice)	दीर्घ उत्तरीय (Long Answer)	5 (प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न) (Two Questions from each unit)	10 अंक / प्रश्न	5 (प्रश्न) x 10 (अंक) = 50
			कुल अंक (Total Marks)	75 अंक

शिक्षाचार्य (एम.एड.) पाठ्यक्रम

प्रथम सेमेस्टर

शिक्षाचार्य (एम.एड.) प्रथम वर्ष
प्रथम सेमेस्टर पाठ्यक्रम स्वरूप

कुल अंक = 500
कुल क्रेडिट्स = 20+2*

कोर्स कोड (Course code)	कोर्स संख्या (course No.)	कोर्स का नाम (Name of the course)	कोर्स श्रेणी (Course Category)	कुल अंक (Total Marks)	कुल क्रेडिट्स (Total Credits)	घण्टे / सप्ताह (Hours/ weeks)	घण्टे / सेमेस्टर (Hours/ Semester)
		Theory (सैद्धान्तिक)		400	16	20	400
201	1	शिक्षा का दार्शनिक परिप्रेक्ष्य(Philosophical Perspectives of Education)	संकेन्द्रिक परिप्रेक्ष्य (Core Perspective)	100 75 (E)+25 (I)	04	04	80
202	2	शिक्षार्थी एवं अधिगम का मनोविज्ञान (Psychology of Learner and Learning)	संकेन्द्रिक परिप्रेक्ष्य (Core Perspective)	100 75 (E)+25 (I)	04	04	80
203	3	शैक्षिक अनुसंधान प्रविधि (Methodology of Educational Research)	संकेन्द्रिक उपकरण (Core Tool)	100 75 (E)+25 (I)	04	04	80
204	4	शैक्षिक प्रौद्योगिकी (Educational Technology)	संकेन्द्रिक उपकरण (Core Tool)	100 75 (E)+25 (I)	04	04	80
211		**प्रायोगिक (Practicum)**	**प्रायोगिक (Practicum)**	**100**	**04**	**08**	**160**
(i)		आधुनिक एवं भारतीय दार्शनिको के शैक्षिक विचारों का समीक्षात्मक अध्ययन।		20			
(ii)		मनोवैज्ञानिक चिन्तन धाराओं (व्यवहारवादी, संज्ञानवादी, रचनावादी) के अग्रणी चिन्तकों के अवदान का समीक्षात्मक अध्ययन।		20			
(iii)		शोध उपकरण निर्माण (कम से कम एक उपकरण निर्माण अपेक्षित है)।		20			
(iv)		अनुदेशनात्मक सामग्री निर्माण एवं प्रस्तुतीकरण।		20			
(v)		सेमेस्टर आधारित अन्तर्वस्तु परक संगोष्ठी एवं पत्र प्रस्तुति।		20			
212		शैक्षिक गतिविधियाँ (Educational Activities)	अनिवार्य Compulsory	50	2*	80% अनिवार्य	
(i) (ii) (iii) (iv)		संस्कृत सप्ताह परिसर आधारित स्वच्छता अभियान खेल–कूद संस्कृत सम्भाषण शिविर					

प्रश्नपत्र - 1 शिक्षा का दार्शनिक परिप्रेक्ष्य

(Philosophical Perspectives of Education)

कोर्स कोड = 201 | कुल क्रेडिटस = 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह | कुल अंक = 100

अभीष्ट अधिगम परिणाम (Learning Outcomes)

- भारतीय एवं पाश्चात्य दर्शन के परिप्रेक्ष्य में शिक्षा और दर्शन की प्रकृति का अवबोध कराना।
- भारतीय एवं पाश्चात्य दर्शन के विविध संप्रदायों के परिप्रेक्ष्य मे शैक्षिक मुद्दों के समीक्षात्मक विश्लेषण की क्षमता का विकास।
- शैक्षिक सम्प्रत्ययों, प्रतिमानों, एवं धारणाओं का समीक्षात्मक अध्ययन करना।
- मूल्यशिक्षा, उसके विविध आयामों और शान्तिशिक्षा के संप्रत्ययों के प्रति संवेदनशीलता विकसित कराना।

पाठ्य–वस्तु (Content) 75 अंक

इकाई- १ : शिक्षा दर्शन- शिक्षा तथा दर्शन का अर्थचिन्तन, शिक्षा और दर्शन का सम्बन्ध, दर्शन की प्रमुख शाखाओं का तत्त्वमीमांसा, ज्ञानमीमांसा, मूल्यमीमांसा एवं तर्कशास्त्र परिचय। पाठ्यचर्चा की अवधारणा तथा उसका दार्शनिक आधार।

इकाई- २ : विद्या के विशेष सन्दर्भ में भारतीय विचारधाराओं (सांख्य, योग, वेदान्त, बौद्ध, जैन) का योगदान, दयानन्द दर्शन, शैक्षणिक लक्ष्य तथा प्रामाणिक ज्ञानार्जन के प्रति इस्लामी दृष्टिकोण।

इकाई- ३: पाश्चात्य विचारधाराओं (आदर्शवाद यथार्थवाद, प्रकृतिवाद व्यावहारिकतावाद एवं अस्तित्ववाद, मार्क्सवाद) का योगदान तथा सूचना, ज्ञान और प्रज्ञान के विशेष सन्दर्भ में शिक्षा में उनका योगदान।

इकाई- ४ : मूल्य शिक्षा - मूल्य शिक्षा की अवधारणा, भारतीय शिक्षानीतियों में मूल्यशिक्षा सम्बन्धी विचार, भारतीय संविधान और मूल्य।

इकाई- ५ : नीतिशास्त्र और शिक्षा - नीतिशास्त्र का परिचय, शैक्षिक सन्दर्भ में नैतिकता-शोध, और व्यावसायिक नैतिकता के विशेष सन्दर्भ में।

सत्रीय कार्य : निम्नलिखित में से कोई दो **25 अंक**

1. समसामायिक वार्तापत्रिका तथा शोधपत्रिकाओं में आये शैक्षिक विचार पर संवाद तथा स्वतन्त्र लेख।
2. केन्द्र - राज्य स्तरीय मूल्यशिक्षा सम्बन्धि दस्तावेजों का अनुशीलन (N.C.E.R.T आदि संस्थाओं द्वारा प्रकाशित)
3. महिला शिक्षाविदों के शैक्षिकविचारों का अध्ययन तथा प्रस्तुति- वोल्सटनक्राफट, नेल नोडिंग्स् तथा सावित्रीबाई फुले के सन्दर्भ में।

अध्येय ग्रन्थ–

1. पाण्डेय,के.पी., (2005) शिक्षा के दार्शनिक एवं सामाजिक आधार, विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी।
2. पाण्डेय, आर.एस., (1997) शिक्षा दर्शन, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा, उ.प्र.।
3. गैरोला, वाचस्पति, (1995) भारतीय दर्शन, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
4. शर्मा, चन्द्र धर, (1995) भारतीय दर्शन: आलोचना, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
5. झा, नागेन्द्र, (1992) वैदिक शिक्षा पद्धति एवं आधुनिक शिक्षा पद्धति, वेंकटेश प्रकाशन, नई दिल्ली।

प्रश्नपत्र - 2 शिक्षार्थी एवं अधिगम का मनोविज्ञान

(Psychology of Learner and Learning)

कोर्स कोड = 202 | कुल क्रेडिटस = 04

क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह | कुल अंक = 100

अभीष्ट अधिगम परिणाम (Learning Outcomes)

- भारतीय तथा पाश्चात्य मनोविज्ञान की अवधारणा के सन्दर्भ में शिक्षा, शिक्षार्थी, एवं अधिगम की परिस्थितियों के विश्लेषण एवं अवबोध हेतु परिप्रेक्ष्य का विकास।
- सामाजिक अधिगम एवं सामाजिक संज्ञान की संकल्पना का परिचय देते हुए सामाजिक सक्षमता हेतु कौशलों का विकास।
- भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि मे अंड.गीकृत मूल-अवधारणाओं के आलोक में अभिप्रेरणा, सर्जनात्मकता एवं परा संज्ञान पर केन्द्रित उपयुक्त परिप्रेक्ष्य का विकास।

पाठ्य–वस्तु (Content) **75 अंक**

इकाई- १ : शिक्षा मनोविज्ञान एवं अधिगम- शिक्षा मनोविज्ञान की अवधारणा, उद्देश्य, तथा महत्त्व। मनोविज्ञान के सम्प्रदाय-व्यवहारवादी, मनोविश्लेषणवादी, गेस्टाल्टवादी, संज्ञानवादी तथा रचनावादी परिप्रेक्ष्य का शिक्षा एवं शिक्षण में निहितार्थ। अधिगम का अभिप्राय, अधिगम के नियम। अधिगम के व्यवहारपरक सिद्धान्त-टोलमैन का संकेत अधिगम तथा लूविन का संज्ञानात्मक क्षेत्र सिद्धान्त।

इकाई- २ : संज्ञानात्मक एवं सामाजिक अधिगम- संज्ञानात्मक अधिगम-पियाजे, ब्रूनर एवं ऑसबेल की दृष्टि में अधिगम की अवधारणा, सिद्धान्त एवं अनुप्रयोग। सामाजिक अधिगम - अभिप्राय, सामाजिक अधिगम को प्रभावित करने वाले कारक, सामाजिक सक्षमता, सामाजिक संज्ञान की संकल्पना, सामाजिक सम्बन्ध तथा सामाजीकरण के लक्ष्य। बन्दुरा का सामाजिक अधिगम सिद्धान्त। अद्यतन रचनावादी अवधारणाएँ- नोवाक तथा वाइगोत्सकी के संदर्भ में उनका शैक्षिक निहितार्थ।

इकाई- ३ : अभिप्रेरणा का मनोविज्ञान -अभिप्राय एवं अभिप्रेरणा के प्रकार सिद्धान्त-प्रक्रियागत एवं विषयगत सिद्धान्त विषयगत सिद्धान्त -मैक्लीलैण्ड का आवश्यकता सिद्धान्त, मासलो के अभिप्रेरणा सिद्धान्त का एल्डरफर द्वारा संशोधित विकसित प्रतिमान, प्रक्रियागत सिद्धान्त- विक्टर रूम एवं पोर्टर लॉलर के प्रत्याशा सिद्धान्त तथा स्किनर का प्रबलन सिद्धान्त: सकारात्मक नकारात्मक प्रबलन की रीतियाँ, दण्ड एवं विलोप।

इकाई- ४ : चिन्तन एवं सर्जनात्मकता का मनोविज्ञान -चिन्तन की अवधारणा, महत्व एवं प्रकार समालोचनात्मक चिन्तन, समस्या समाधान की संकल्पनाएँ। सर्जनशीलता- अवधारणा, पहचान तथा संवर्धन के उपायों का शैक्षिक सन्दर्भ में अध्ययन परा संज्ञान तथा सर्जनात्मकता।

इकाई- ५ : भारतीय दृष्टि में मनोविज्ञान- भारतीय मनोविज्ञान की अवधारणा तथा महत्व मानसिक शक्ति एवं चेतना के उन्नयन में अष्टांग योग एवं पंचकोशीय अवधारणा का महत्व। पुरूषार्थ चतुष्टय की

प्रश्नपत्र - 3 शैक्षिक अनुसन्धान प्रविधि

(Methodology of Educational Research),

कोर्स कोड = 203 | कुल क्रेडिटस = 04

क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह | कुल अंक = 100

अभीष्ट अधिगम परिणाम (Learning Outcomes)

- शैक्षिक अनुसन्धान की अवधारणा, प्रकार एवं सोपानों से परिचय।
- शैक्षिक अनुसन्धान की समस्या, चर एवं परिकल्पना की अवधारणा से परिचय।
- शैक्षिक अनुसन्धान के गुणात्मक एवं मात्रात्मक उपागमों से परिचय।
- गुणात्मक, मात्रात्मक तथा मिश्रित शोध विधियों को समझना तथा उनमें अन्तर जानना।
- शैक्षिक अनुसन्धान में समग्र तथा प्रतिदर्श की अवधारणा को समझना तथा गुणात्मक एवं मात्रात्मक शोध में प्रतिदर्श चयन के अन्तर को समझना।
- शैक्षिक अनुसन्धान में प्रयुक्त शोध उपकरणों से परिचय तथा गुणात्मक एवं मात्रात्मक शोध के सन्दर्भ में प्रयोग तथा उनके निर्माण को जानना।

पाठ्य–वस्तु (Content) 75 अंक

इकाई- १ : शैक्षिक अनुसन्धान एवं क्षेत्र- शैक्षिक अनुसन्धान की अवधारणा, उद्देश्य, क्षेत्र तथा अन्तर्विद्यापरकता। वैज्ञानिक विधि के रूप में शोध के उद्देश्य: समस्या-समाधान, सामान्यीकरण तथाभावी कथन। शोध के प्रकार्य : विवरणात्मक तथा व्याख्यात्मक। शैक्षिक अनुसन्धान के स्वरूपों का वर्गीकरण: मौलिक, व्यवहृत तथा क्रियात्मक। शोध के प्रतिमान: मात्रात्मक तथा गुणात्मक शोध (निहित मान्यताएं, शोध समस्या, शोधपरिकल्पना, शोध उपकरण एवं साक्ष्य तथा प्रतिवेदन लेखन की दृष्टि से विशिष्टता एवं अन्तर)। संस्कृत शोध के सम्बन्ध में शोध विधाएं तथा शोध की अग्रणी संस्थाएं।

इकाई- २ : शोध समस्या निरूपण एवं परिकल्पना निर्माण- शोध समस्या का चयन, निर्धारण एवं सीमांकन।मात्रात्मक तथा गुणात्मक शोध के सम्बन्ध में चरों की पहचान एवं उनके प्रकार : निराश्रित, आश्रित, बाह्य, मध्यवर्ती तथा परिनियामक। परिकल्पना के प्रकार : शोध परिकल्पना, क्रियात्मक शोध परिकल्पना तथा सांख्यिकीय नकारात्मक शून्य परिकल्पना। परिकल्पना तथा शोध प्रश्नप्रतिपादन, अच्छी शोध परिकल्पना की विशेषताएं। संबंधित साहित्य का सर्वेक्षण : अभिप्राय एवं लेखन। संदर्भ ग्रंथ सूची निर्माण।

इकाई- ३ : शैक्षिक शोध विधि- मात्रात्मक शोध विधि : वर्णनात्मक, प्रयोगात्मक एवं कार्योत्तर विधि की अवधारणा, विशेषताएं एवं अभिकल्प। गुणात्मक शोध विधि : ऐतिहासिक, दार्शनिकनरेटिव (Narrative), व्यष्टि अध्ययन (Case Study), सकेन्द्रिक समूह परिचर्चा (Focused group Discussion), ग्राउंडिड सिद्धांत (Grounded Theory), सांकेतिक अन्तर्क्रिया (SymbolicInteraction) नृजातिय (Ethnography)। मिश्रित विधियाँ: त्रिभुजीकरण (Triangulation), पराविश्लेषण (Meta-analysis)।

इकाई- ४ : शैक्षिक शोध में समग्र एवं प्रतिदर्श चयन- शोध समग्र की अवधारणा एवं परिभाषीकरण, मात्रात्मक एवं गुणात्मक शोधों के सन्दर्भ में न्यादर्श चयन की सम्भाव्य एवं असम्भाव्य विधियाँ। पैरामीटर तथा सांख्यिकी।

प्रश्नपत्र - 4 शैक्षिक प्रौद्योगिकी

(Educational Technology)

कोर्स कोड = 204 | कुल क्रेडिटस = 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह | कुल अंक = 100

अभीष्ट अधिगम परिणाम (Learning Outcomes)

- शैक्षिक प्रौद्योगिकी की अवधारणा के सम्प्रत्यय, प्रकार एवं उपागमों से अवगत कराना।
- शैक्षिक सम्प्रेषण के सम्प्रत्यय एवं विभिन्न विधियों से अवगत कराना।
- अनुदेशनात्मक प्रणालियों के उद्देश्यों एवं अभिकल्पन से अवगत कराना।
- महत्त्वपूर्ण शिक्षण प्रतिमानों और सिद्धान्तों से अवगत कराना।
- अभिक्रमित अधिगम की अवधारणा, सिद्धान्त, प्रकार और निर्माण प्रक्रिया से अवगत कराना।
- शिक्षण अधिगम प्रबन्धन के चार घटक-नियोजन,संगठन, अग्रसरण एवं नियत्रंण में अन्तर्दृष्टि विकसित करना।
- शिक्षण के प्रतिमान एवं सिद्धान्तों की सम्प्रत्यात्मक अवधारणा एवं प्रकारों से परिचित करना।
- अभिक्रमित अधिगम की अवधारण एवं विकास की अवस्थाओं में अवबोध विकसित करना।
- व्यवस्थित प्रेक्षण विधियों द्वारा शिक्षण व्यवहार का विशलेषण करने की दक्षता का विकास करना।

पाठ्य–वस्तु (Content) 75 अंक

इकाई – १ : **शैक्षिक प्रौद्योगिकी** - अभिप्राय, प्रकृति, उद्देश्य, उपागम एवं क्षेत्र एवं प्रोडक्ट टेक्नोलॉजी एवं आइडिया टेक्नोलॉजी तथा दोनों में सम्बन्ध। शिक्षण व्यवहार विश्लेषण-अवधारणा, विशेषताएँ एवं विश्लेषण विधियाँ-फ्लैण्डर का अन्तक्रिया विश्लेषण (FIAC), ओबर्स की पारम्परिक अनुवर्ग विधि (RCS), बेण्टले और मिलर की समकक्ष वार्ता श्रेणी विधि (ETC) - **उद्देश्य, श्रेणियाँ, श्रेणियाँ, विशेषताएँ, प्रक्रिया, विश्लेषण विधि एवं उपयोगिता।**

इकाई – २ : **शिक्षण अधिगम का प्रबन्धन** : **नियोजन**- कार्य विश्लेषण, प्रशिक्षण एवं अधिगम की आवश्यकताओं को पहचानना और शैक्षिक उद्देश्यों का प्रतिपादन। **संगठन**- उपयुक्त युक्तियों कक्षा आकार एवं सम्प्रेषण व्यूहरचना का चयन। **अग्रसरण**- अग्रसरण हेतु अभिप्रेरण का अनुप्रयोग और उपयुक्त रचना कौशल का चयन। **नियत्रंण**- अधिगम प्रणाली का मूल्यांकन, मापन एवं उद्देश्य।

इकाई – ३ : **शिक्षण सिद्धान्त एवं प्रतिमान**- प्रतिमान एवं सिद्धान्त की अवधारणा में मुख्य अन्तर।

शिक्षण के सिद्धान्त - धात्री सिद्धान्त, सम्प्रेषण सिद्धान्त, ढलाई का सिद्धान्त, परस्पर पृच्छा सिद्धान्त (विशेषताएं, सीमाएं एवं शैक्षिक निहितार्थ के सन्दर्भ में)।

शिक्षण के प्रतिमान- अवधारणा एवं आधारभूत तत्त्व। कुछ चयनित शिक्षण प्रतिमान - विकासात्मक प्रतिमान (पियाजे), एडवान्स आरगनाईजर (ऑसवेल), पृच्छा प्रशिक्षण प्रतिमान (सचमैन), शिक्षक प्रशिक्षक प्रतिमान

4. पाठक, आर.पी. एवं भारद्वाज, अमिता पाण्डेय, (2012) शैक्षिक प्रौद्योगिकी एवं क्रियात्मक अनुसंधान, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. शर्मा,आर. ए.(2002)) शिक्षा के तकनीकी आधार, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.।
6. भटनागर. ए.बी. (2000).) शैक्षिक तकनीकी एवं प्रबन्धन, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.।
7. सक्सेना, एन.आर. स्वरूप (2006)) शिक्षण की तकनीकी, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.।
8. शर्मा,आर. ए.(2010))सूचना सम्प्रेषण एवं शैक्षिक तकनीकी, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.।
9. शर्मा,आर. ए.(2005)) शिक्षणशास्त्र के मूल तत्व, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.।
10. पाठक, आर.पी.(2014) शैक्षिक तकनीकी के आयाम, विकास पब्लिशर्स, नई दिल्ली।
11. Pandey, K.P., (1997) Modern Concepts of Teaching Behaviour, Anamika Publications, New Delhi.
12. K. Sampat and et.all, (1990) Education Technology Sterling Publishing Pvt.Ltd., New Delhi.
13. Bruner, J.S., (1980) Towards Theory of Instruction. Mass Hardward University Press, Cambridge.
14. Singh, L.C. (1990) Microteaching, Bhargava Book Depot. Agra. U.P.
15. Allen And Ryan, (1985) Microteaching, Addison Wesley, New York.
16. Shelter, P A (1980) History of Instructional Technology, Megran, New York.
17. Bruce Joyce and Marsha Weil, (1975) Models of Teaching. Prentice Hall of India. New Delhi.
18. Passi B.K., (1985) Becoming Better Teacher, Sahitya Mudranalaya. Ahmadabad.
19. Pathak,R.P.,(2010) : Educational Technology : Pearson Education New Delhi.

शिक्षाचार्य (एम.एड.) पाठ्यक्रम

द्वितीय सेमेस्टर

शिक्षाचार्य (एम.एड.) प्रथम वर्ष
द्वितीय सेमेस्टर पाठ्यक्रम स्वरूप

कुल अंक = 500
कुल क्रेडिट्स = 20+2*

कोर्स कोड (Course code)	कोर्स संख्या (course No.)	कोर्स का नाम (Name of the course)	कोर्स श्रेणी (Course Category)	कुल अंक (Total Marks)	कुल क्रेडिट्स (Total Credits)	घण्टे / सप्ताह (Hours/ weeks)	घण्टे / सेमेस्टर (Hours/ Semester)
		Theory (सैद्धान्तिक)		400	16	20	400
221	5	शिक्षा का समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य (Sociological Perspectives of Education)	सकेन्द्रिक परिप्रेक्ष्य (Core Perspective)	100 75 (E)+25 (I)	04	04	80
222	6	बुद्धि,व्यक्तित्व एवं परामर्श का मनोविज्ञान (Psychology of Intelligence, Personality and Counseling)	सकेन्द्रिक परिप्रेक्ष्य (Core Perspective)	100 75 (E)+25 (I)	04	04	80
223	7	शैक्षिक शोध में प्रदत्त विश्लेषण एवं प्रतिवेदन (Data Analysis Educational Research)& Report in	सकेन्द्रिक उपकरण (Core Tool)	100 75 (E)+25 (I)	04	04	80
224	8	अध्यापक शिक्षा (Teacher Education)	सकेन्द्रिक अध्यापक शिक्षा (Core T.E)	100 75 (E)+25 (I)	04	04	
231		प्रायोगिक (Practicum)	प्रायोगिक (Practicum)	100	04	08	150
	(i)	शैक्षिणिक लेखन(Academic Writings)-- इन्द्रियानुभाविक एवं दार्शनिक शोध के परिप्रेक्ष्य में लेखन प्रारूप		20			
	(ii)			20			
	(iii)	मनोवैज्ञानिक परीक्षण एवं प्रयोग		20			
	(iv)	शोध संक्षिप्तिका निर्माण एवं प्रस्तुतीकरण		20			
	(v)	शिक्षाशास्त्री कक्षाओं में किन्हीं दो पाठों का शिक्षण।		20			
		सेमेस्टर आधारित अन्तर्वस्तु परक संगोष्ठी एवं पत्र प्रस्तुति।					
232		शैक्षिक गतिविधियाँ (Educational Activities)	अनिवार्य Compulsory	50	2*	80% अनिवार्य	
	(i)	समसामायिक मुद्दों पर समूह परिचर्चा					
	(ii)	परिसर आधारित स्वच्छता अभियान					
	(iii)	खेल--कूद					
	(iv)	विशिष्ट व्याख्यान					

प्रश्नपत्र - 5 शिक्षा का सामाजिक परिप्रेक्ष्य

(Sociological Perspectives of Education)

कोर्स कोड = 221 कुल क्रेडिटस = 04

क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

अभीष्ट अधिगम परिणाम (Learning Outcomes)

- समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य में अद्यतन भारतीय समाज की समस्याओं के विश्लेषण एवं समीक्षात्मक अध्ययन की कुशलता विकसित कराना।
- शिक्षा के समसामयिक मुद्दों पर परिचर्चा आधारित विमर्श को प्रोत्साहित करना।
- भारतीय समाज की ज्वलन्त समस्याओं यथा शैक्षिक अवसरों की समानता,विषमता भेदभाव एवं लिंग अनुपात समुदाय/अंचल आधारित मुद्दों पर विशेष चिन्तन परिप्रेक्ष्य विकसित करना।

पाठ्य–वस्तु (Content) 75 अंक

इकाई - १ : शिक्षा का समाजशास्त्रीय आधार- समाजशास्त्र और शिक्षा का समाजशास्त्र का परिचय, ज्ञान और समाजशास्त्र।

इकाई - २ : शिक्षा और संस्कृति- संस्कृति की अवधारणा, शिक्षा एवं संस्कृति, सांस्कृतिक उन्नयन में शिक्षा की भूमिका।

इकाई - ३ : सामाजिक परिवर्तन:- सामाजिक परिवर्तन का संप्रत्यय, सामाजिक परिवर्तन के लिए शैक्षिक विचार-श्री अरविन्द, जे. कृष्णमूर्ति, पावलो फ्रेरे के सन्दर्भ में।

इकाई - ४ : शैक्षिक नीतियाँ- नीतियों और शिक्षा का सम्बन्ध, राष्ट्रीय विकास और शिक्षानीति, नीति निरूपण प्रक्रिया के निर्धारक तत्व: वर्तमान स्थिति का विश्लेषण, नीति विकल्प व नीति के प्रभाव का आकलन तथा अनुवर्ती नीति चक्र।

इकाई - ५ : शिक्षा का अर्थशास्त्र तथा शिक्षा और राजनीति- शिक्षा का अर्थशास्त्र, संकल्पना, शैक्षिक वित्तव्यवस्था, शिक्षा की राजनीति संबन्धी दृष्टिकोण- उदारवादी, रूढ़िवादी तथा समालोचनात्मक। राजनैतिक समाजशास्त्र की अवधारणा।

सत्रीय कार्य : निम्नलिखित में से कोई दो 25 अंक

1. समाजशास्त्रियों के शैक्षिक विचार की प्रस्तुति।।
2. संस्कृतवाड.मय में शिक्षा सम्बन्धी अवधारणाओं का आकलन।
3. स्वयंसवी संगठनों का समाजसेवापरक (शिक्षा के विशेष सन्दर्भ में) कार्यक्रमों का निरीक्षण तथा उक्त संस्थाओं से सम्बन्धित विवरण प्रस्तुति।

अध्येय ग्रन्थ–

1. पाण्डेय, के.पी., (2005) शिक्षा के दार्शनिक एवं सामाजिक आधार, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी,उ.प्र.।
2. पाण्डेय,आर.एस., (1997) शिक्षा दर्शन, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगराए उ.प्र.।
3. गैरोला, वाचस्पति, (1997) भारतीय दर्शन, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबादए उ.प्र.।

प्रश्नपत्र - 6 बुद्धि, व्यक्तित्व एवं परामर्श का मनोविज्ञान

(Psychology of Intelligence, Personality and Counseling)

कोर्स कोड = 222 | कुल क्रेडिटस = 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह | कुल अंक = 100

अभीष्ट अधिगम परिणाम (Learning Outcomes)

- शिक्षण अधिगम की प्रभावी व्यवस्थाओं एवं अभिकल्पों को निर्मित करने हेतु बुद्धि एवं व्यक्तित्व विषयक अद्यतन सिद्धान्तों पर केन्द्रित उपयुक्त परिप्रेक्ष्य का विकास।
- विभिन्न संज्ञानात्मक योग्यताओं के मापन का सैद्धान्तिक ज्ञान प्रदान करते हुए उनके प्रयोग में सक्षमता का विकास।
- अन्तर्द्वन्द्व, समायोजन प्रक्रिया, प्रतिरक्षा क्रिया विधि, तनाव प्रबन्धन का व्यावहारिक परिस्थितियों में निहितार्थ निरूपण की कुशलता का विकास।
- वर्तमान प्रतिस्पर्धात्मक युग में निर्देशन एवं परामर्श के विविध उपागमों तथा परामर्श सिद्धान्तों की शैक्षिक परिस्थितियों में उपादेयता को दृष्टित रखते हुए इनके प्रयोग में प्रभाविता का विकास
- भारतीय मनोविज्ञान सम्बन्धी मूल अवधारणाओं के परिप्रेक्ष्य में बुद्धि, व्यक्तित्व एवं समायोजन पर केन्द्रित उपयुक्त परिप्रेक्ष्य का विकास

पाठ्य–वस्तु (Content) 75 अंक

इकाई - १ : बुद्धि का मनोविज्ञान- बुद्धि की अवधारणा तथा सिद्धान्त - गिलफोर्ड, स्टर्नबर्ग तथा गार्डनर का बहुबद्धि सिद्धान्त। सामाजिक, संवेगात्मक (डेनियल गोलमैन), तथा आध्यात्मिक बुद्धि (डोना जोहर)की संकल्पनायें तथा निहितार्थ। बुद्धि का मापन- (शैक्षिक, सामाजिक संवेगात्मक तथा आध्यात्मिक बुद्धि) बुद्धि परीक्षणों की आवश्यकता, महत्व, तथा प्रकार, वैयक्तिक व सामूहिक परीक्षण (वाचिक, अवाचिक व निष्पादन)

इकाई - २ : व्यक्तित्व का मनोविज्ञान- अवधारणा प्रकार तथा सिद्धान्त- मनोविश्लेषण सिद्धान्त- फ्रायड, युंग, एडलर विशेषक सिद्धान्त- आलपोर्ट, कैटल मानवतावदी सिद्धान्त- एब्राहम मॉसलो, कार्ल रोजर्स। व्यक्तित्व का मापन - वस्तुनिष्ठ, आत्मनिष्ठ व प्रक्षेपी विधियाँ।

इकाई - ३ : अन्तर्द्वन्द एवं समायोजन- अन्तर्द्वन्द्व -सम्प्रत्यय एवं प्रकार तथा समाधान के उपाय। समायोजन-अवधारणा, प्रक्रिया, विशेषताएँ। प्रतिरक्षाक्रिया विधियाँ, तनाव प्रबन्धन। सुस्थित जीवन शैली।

इकाई - ४ : निर्देशन एवं परामर्श मनोविज्ञान- अवधारणा, आवश्यकता एवं महत्व निर्देशन के प्रकार, (शैक्षिक, व्यावसायिक, स्वास्थ्य) तथा परामर्श के प्रकार (निदेशात्मक, गैरनिदेशात्मक एवं संकलनात्मक परामर्श)। परामर्श के उपागम -संज्ञानात्मक- व्यवहारवादी(एल्बर्ट एलिस- REBT) व्यक्ति केन्द्रित परामर्श (कार्ल रोजर्स) परामर्श के सिद्धान्त - व्यवहारवादी, (Behavioristic), तर्कसंगत, (Rational), संवेगात्मक (Emotive), तथा यथार्थ (Reality), ।

इकाई - ५ : भारतीय दृष्टि में बुद्धि, व्यक्तित्व एवं समायोजन का मनोविज्ञान- भारतीय दृष्टि में अन्त:करण चतुष्टय: मन, बुद्धि, चित्त एवं अहंकार की अवधारणा। भारतीय दृष्टिकोण में संवेगात्मक एवं आध्यात्मिक बुद्धि के आधार। व्यक्तित्व विकास में पंचकोशो तथा गुणों: सत्त्व, रजस् एवं तमस की

प्रश्नपत्र - 7. शैक्षिक शोध में प्रदत्त विश्लेषण एवं प्रतिवेदन

(Data Analysis & Report in Educational Research)

कोर्स कोड = 223 | कुल क्रेडिटस = 04

क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह | कुल अंक = 100

अभीष्ट अधिगम परिणाम (Learning Outcomes)

- शैक्षिक शोध में प्रदत्तों के विश्लेषण से संबधित अपेक्षित कौशलों का विकास।
- शैक्षिक शोध में प्रदत्तों के विविध स्रोतों के निर्धारण करने की क्षमता का विकास।
- प्रदत्तों के विश्लेषण हेतु सांख्यिकी एवं गुणात्मक प्रविधियों के अनुप्रयोग में प्रवीणता।
- शोध प्रतिवेदन के लेखन के विभिन्न प्रकारों यथा- शोध प्रबन्ध, लधु शोध प्रबन्ध, शोध संगोष्ठी एवं शोध पत्रिकाओं के लिए निहित प्रारूपों का परिचय एवं उनके लेखन में कुशलता।

पाठ्य–वस्तु (Content) **75 अंक**

इकाई - १: शोध प्रदत्तों के आधार पर विश्लेषण - अभिप्राय,व्यवस्थापन एवं वर्णनात्मक एवं अनुमानपरक विश्लेषण, मात्रात्मक एवं गुणात्मक प्रदत्तों का वर्गीकरण एवं व्यवस्थापन। मात्रात्मक एवं गुणात्मक शोधो में प्रदत्त विश्लेषण के भेदक लक्षण। आवृत्ति वितरण तालिका निर्माण, बिन्दु रेखीय प्रदर्शन (वृत्तचित्र, दण्डाकृति, स्तम्भाकृति, आवृत्तिबहुभुज, संचयी आवृत्तिवक्र, एवं तोरण)। मात्रात्मक एवं गुणात्मक प्रदत्त विश्लेषण के दृष्टान्त-कृत शोधों के माध्यम से।

इकाई - २: वर्णनात्मक सांख्यिकी विधियों द्वारा प्रदत्त विश्लेषण - केन्द्रवर्ती मान-मध्यमान, मध्यांक एवं बहुलांक मान। विचलन मान-प्रसार, चतुर्थांक, विचलन, औसत विचलन एवं प्रमाणिक विचलन एवं विचलनशीलता गुणांक। स्थितिसूचन मान - प्रतिशतांक एवं प्रतिशतीय क्रमांक। सहसम्बन्ध गुणांक - स्पीयमैन का अनुस्थिति अन्तरविधि (Rank Difference Method)एवं पियरसन का गुणन आघूर्णविधि (Product Moment Method)- मूल प्राप्तांक विधि द्वारा। सामान्य सम्भाव्यता वक्र (NPC) : अर्थ, विशेषता एवं अनुप्रयोग।

इकाई - ३: अनुमानपरक सांख्यिकीय विधियों द्वारा प्रदत्त विश्लेषण - अनुमान आधारित सांख्यिकीय प्रविधियां- प्राचलिक एवं अप्राचलिक- मानक त्रुटि का सम्प्रत्यय, दो समूहों के मध्य सार्थकता परीक्षण-टी-परीक्षण (t.test), मध्यांक परीक्षण, (Median Test), चिन्ह परीक्षण (Sign Test), मान व्हिटनी यू परीक्षण (Mann Whitney U Test), एवं Wilcoxon Signed Rank test। दो से अधिक समूहों के मध्य सार्थकता परीक्षण- एफ परीक्षण,((F.Test) मूल प्राप्तांक विधि द्वारा, क्रुस्कल वालिस एकमार्गी प्रसरण विश्लेषण (Kruskal Wallis One Way Analysis of Variance), काई वर्ग परीक्षण (Chi-Square Test)-समान एवं स्वतत्रं वितरण की परिकल्पना के आधार पर परस्पर निर्भरता गुणांक।(Contingency coefficient)।

इकाई - ४: मात्रात्मक एवं गुणात्मक प्रदत्त शोध में प्रदत्त विश्लेषण

- मात्रात्मक शोध में परिकल्पना परीक्षण-परिकल्पना परीक्षण के सोपान-शून्य परिकल्पना निर्माण, सार्थकता स्तर का निर्धारण, सांख्यिकीय परीक्षण का चयन एवं निरस्तता क्षेत्र का परिभाषीकरण। शून्य परिकल्पना

Prkashan, Varanasi.
9. Best John w., (2000) Research in Education, Prentice Hall, Inc, New Delhi.
10. Kerlinger F.N., (2000) Foundations of Behaviroal Research, Surjeet Publications, Kamla Nagar, New Delhi.
11. Keeves, J.P., (1990) Educational Research Methodology and Measurement, International Handbook, Pergamon Press. New York.
12. Pathak, R.P. (2011), Research in Psychology and Education, Pearson Education, New Delhi.
13. Guilford & Fruchter, (1987) Fundamental Statistics in Psychology & Education, McGraw Hill, New Delhi.
14. Sidney and Seigal, (1956) Non-Parametric Statistics. McGraw Hill Book Co. New Delhi.
15. Creswell JohnW.(2011) Educational Research, Pearson Education, New Delhi.
16. Levin Jack & Fox J.A (2012) Elementary Statistics in Social Reseach, Pearson Education New Delhi.
17. Mangal, S.K. & Mangal, S (2015), Research Methodology in Behavioral Sciences, PHI Learning Pvt. Delhi.
18. Garrett, H.E (1982) Statistics in Psychology and Education, Vakils, Feffer and Simons Pvt. Ltd. Bombay.

इकाई - ५ : अध्यापक शिक्षा आधारित अनुसंधान- शिक्षण प्रभावशीलता। अध्यापक व्यवहार में आशोधन की युक्तियां। विद्यालय परिवेशगत प्रभावशीलता। अध्यापक शिक्षा में नवाचार-पाठ्यक्रम, मूल्यांकन एवं प्रबन्धन से संबधित नवाचार।

सत्रीय कार्य : निम्नलिखित में से कोई दो **25 अंक**

1. अध्यापक शिक्षा की संस्थाओं DIET यथा-डाइट, CTE, IASE में से किन्ही एक की प्रभाविता पर व्यष्टि अध्ययन करना।
2. भारतीय संदर्भ में अध्यापक शिक्षा पर समूह परिचर्चा।
3. राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद की गतिविधियों पर आधारित विचारावेश सत्र आयोजित करना।
4. अध्यापक शिक्षा के गुणात्मक सुधार के विविध आयामों पर केन्द्रित कार्यशाला का आयोजन करना।

अध्येय ग्रन्थ--

1. शुक्ल, रमाशंकर, (1989) शिक्षक-शिक्षा दशा एवं दिशा, अक्षत प्रकाशन, 36 खारोल कालोनी, फतेहपुरा, उदयपुर (राजस्थान)
2. ओड, एल.के., (1998) शिक्षा में नूतन आयाम, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।
3. मेहता, चतरसिंह, (1973) शिक्षक प्रशिक्षण के सिद्धान्त एवं समस्यायें, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी,जयपुर।
4. श्रीवास्तव शंकर शरण, (1988) शिक्षा में नवाचार एवं आधुनिक प्रवृत्तियाँ, हरप्रसाद भार्गव प्रकाशन, आगरा, उ.प्र.।
5. शर्मा आर0ए0 एवं चतुर्वेदी शिखा, (1983) अध्यापक शिक्षा, लायल बुक डिपो मेरठ, उ.प्र.।
6. मेहता एवं जोशी, (2001)अध्यापक शिक्षा, Vol I & II , राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।
7. पाठक, आर.पी. एवं भारद्वाज, अमिता पाण्डेय, (2012) पाठ्यचर्चा, निर्देशन एवं तुलनात्मक शिक्षा का आधार, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. सक्सेना, एन.आर. (2002) अध्यापक शिक्षा, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.।
9. प्रहलाद, जोशी - (1997) अध्यापक शिक्षा R.S. Vidyapeetha, Tirupati, (A.P)
10. Primary, Secondary, Teacher Education Curriculum, Publication, Department, NCERT, New Dehli.
11. Teacher Education Curriculum " A Frame Work , Publication Department, NCERT, New Delhi.
12. Pandey, B.N & Khosla, D.N, (1986) Student Teaching and Education, NCERT, New Delhi.
13. National Policy on Education, (1986) Govt. of India, New Delhi.
14. Chakrawarti Mohit (2005) Teacher Education, Kanikshka Publisher, Darya Ganj, New Delhi.
15. Sharma, Shashi Prabha (2010) Teacher Education, Kanishka Pubisher Darya Ganj, New Delhi.
16. 16. Sheela, Mangla, (2000) Teacher Education, Radha Publication, New Delhi.
17. Dixit, S.S. : (1990) Teacher Education in Modern Democracy, Sterling Publishers, New Delhi.
18. Mukherjee,S.N.(1985) Education of Teachers in India (Vol I & II), S.Chand & Co, Delhi.
19. Report on Education Commission (1992) (Chapters on Teacher Education) Govt. of India, New Delhi.
20. Pathak R.P. (2006) Education in the Emerging India, Atlantic Publishers, Delhi

शिक्षाचार्य (एम.एड.) पाठ्यक्रम

तृतीय सेमेस्टर

शिक्षाचार्य (एम.एड.) द्वितीय वर्ष
तृतीय सेमेस्टर पाठ्यक्रम स्वरूप

कुल अंक = 500

कुल क्रेडिट्स = 20+2*

कोर्स कोड (Course code)	कोर्स संख्या (course No.)	कोर्स का नाम (Name of the course)	कोर्स श्रेणी (Course Category)	कुल अंक (Total Marks)	कुल क्रेडिट्स (Total Credits)	घण्टे / सप्ताह (Hours/ weeks)	घण्टे / सेमेस्टर (Hours/ Semester)
		Theory (सैद्धान्तिक)		200	8	10	200
241	9	विशेषज्ञता विषय (Specialization)	विशेषज्ञता (Specialisation) (निम्नलिखित में से कोई एक)	100 75 (E)+25 (I)	04	04	80
241- क	9-I	प्रारम्भिक शिक्षा (Elementary Education)		100 75 (E)+25 (I)	04	04	80
		या					
241- ख	9-II	माध्यमिक शिक्षा (Secondary Education)					
242	10	विशिष्ट प्रकरण आधारित वैकल्पिक (Theme Based Elective) विशेषज्ञता आधारित खण्डों में से कोई एक।					
	10- क	**प्रारम्भिक शिक्षा में (In Elementary Education)**					
	10-क(i)	पाठ्यक्रम विकास (Curriculum Development)					
242	10-क(ii)	शैक्षिक प्रबन्धन एवं नेतृत्व Educational Management & Leadership					
242	10-क(iii)	अधिगम आकलन (Assessment of Learning)					
		या (Or)					
242	10- ख	**माध्यमिक शिक्षा में (In Secondary Education)**					
242	10-ख(i)	पाठ्यक्रम विकास (Curriculum Development)					
	10-ख(ii)	शैक्षिक प्रबन्धन एवं नेतृत्व Educational Management & Leadership					
	10-ख(iii)	अधिगम आकलन (Assessment of Learning)					
243		संस्था सम्बद्धता (Institution Attachment)		200	8		8 Weeks
	(i)	अध्यापक शिक्षा संस्थागत सम्बद्धता (Teacher Education Institutional Attachment)		100	4	-	4 weeks
	(ii)	विशेषज्ञता आधारित संस्था सम्बद्धता (Specialisation based Institution Attachment)		100	4	-	4 weeks

प्रश्नपत्र - 9 - I प्रारम्भिक शिक्षा

(Elementary Education)

कोर्स कोड = 241(i) कुल क्रेडिट्स = 04

क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

अभीष्ट अधिगम परिणाम (Learning Outcomes)

- प्रारम्भिक स्तर पर विद्यालयों के प्रभावपूर्ण नियोजन एवं संचालन की दक्षता विकसित करना ।
- समान स्तरीय संस्थाओं के साथ प्रारम्भिक शिक्षा के बीच सम्बन्धों के सम्प्रत्ययात्मक अवबोध का विस्तार करना
- आवश्यकता आधारित पाठ्यक्रम एवं अनुदेशनात्मक रणनीतियों के अभिकल्प हेतु कौशलों का विकास करना।
- प्रारम्भिक स्तर के कार्यक्रमों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिये नवाचारी कौशलों को प्रोत्साहित करना।

पाठ्य–वस्तु (Content) 75 अंक

इकाई १ : प्रारम्भिक शिक्षा - अवधारणा, उद्देश्य, आवश्यकता उद्देश्य महत्व, संरचना (अधिगमकर्त्ता और उनकी सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि) (प्रभावी शिक्षण अधिगम) के आयोजन तथा प्रारम्भिक आवश्यकता आधारित शिक्षा कार्यक्रमों का विकास एवं निहितार्थ।

इकाई २ : प्रारम्भिक शिक्षा का पाठयक्रम- पूर्व प्राथमिक प्राथमिक तथा प्रारम्भिक विद्यालयों के लिए आवश्यकता, कार्य NCF 2005 के तहत निर्मित पाठ्यक्रम (Package)। प्रारम्भिक स्तर विषय क्षेत्र में सम्मिलित पाठ्यवस्तु की समीक्षा, RTE ACT 2001 समीक्षा, यशपाल कमेटी कर संतुतियाँ।

इकाई ३ : अधिगम एवं शिक्षण - शिक्षण अधिगम के रचनात्मक उपागम, प्रभावी शिक्षण हेतु प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष शिक्षण अधिगम रणनीतियाँ अधिगमकर्ता द्वारा कार्य की शुरूआत करने की क्षमता का उन्नयन तथा उनका निहितार्थ।

इकाई ४ : प्रारम्भिक स्तर पर अधिगम संसाधन- अधिगम संसाधनों की अवश्यकता, महत्व एवं प्रकार(समूदाय आधारित, स्थान विशेष आधारित) अधिगम समग्री का विकास अधिगम किट, अधिगम क्लब अधिगम समग्री TLM।

इकाई ५ : प्रारम्भिक शिक्षा में अभिकरण एवं नवाचारी प्रवृत्तियां - भारत में शिक्षा स्तरीय नीतियों तथा कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में सम्मिलित औपचारिक तथा अनौपचारिक अभिकरण उनकी भूमिका । महत्वपूर्ण मध्यस्थता कार्यक्रमों (Intervention) (समाज के विभिन्न वर्गों में प्रेक्षित विसंगतियों के सुधार हेतु)तथा कार्यक्रम की समीक्षा यथा-समग्र शिक्षा अभियान, समर्थ शिक्षा अभियान सर्वशिक्षा अभियान-मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम नि-शुल्क बालिका शिक्षा सभी के लिए शिक्षा बेटी बचाओ बेटी पढाओ।

सत्रीय कार्य - **25 अंक**

1. प्रारम्भिक शिक्षा स्तर की वरीयताओं तथा कार्यक्रम में सुधार हेतु कार्य योजना का विकास।
2. प्रारम्भिक स्तर की चयनित संस्थाओं का व्यष्टि अध्ययन करना।
3. प्रारम्भिक स्तर की शीर्ष स्तरीय संस्थाओं का भ्रमण तथा संस्थागत पार्श्वचित्र का निर्माण।

प्रश्नपत्र - 9 - II माध्यमिक शिक्षा

(Secondary Education)

कोर्स कोड = 241(ii)
क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह

कुल क्रेडिटस = 04
कुल अंक = 100

अभीष्ट अधिगम परिणाम (Learning Outcomes)

- माध्यमिक स्तर की संस्थाओं के मुद्दों एवं चुनौतियो को हल करने हेतु विशेषज्ञ अध्यापकों का निर्माण करना।
- माध्यमिक स्तर की संस्थाओं द्वारा संचालित मध्यस्थता कार्यक्रमों के प्रभावकारी क्रियान्वयन हेतु दक्षता विकसित करना।
- माध्यमिक शिक्षा स्तर पर गुणवत्ता हेतु संवेदनशीलता विकसित करना।
- माध्यमिक स्तर पर नवाचारी प्रवृत्ति तथा मानसिकता युक्त अध्यापकों को तैयार करना।

पाठ्य–वस्तु (Content)

75 अंक

इकाई १ : भारत में माध्यमिक शिक्षा- उद्देश्य, आवश्यकता एवं महत्व नीति निर्धारक संस्थाएँ एवं उनकी भूमिक, NCERT, CIET, CBSE विभिन्न आयोगों तथा समितियों की संस्तुतियों का पुनरावलोकन(आवश्यकता एवं क्रियान्वयन) माध्यमिक शिक्षा का सार्वभौमीकरण(RMSA)

इकाई २ : माध्यमिक शिक्षा के अभिकरण- अधिगमकर्ता की आवश्यकताएँ एवं उनकी अपेक्षाएँ विशिष्ट बालक-बालिकाओं की समस्याओं का निदान एवं समाधान। औपचारिक एवं अनौपचारिक अभिकरण।

इकाई ३ : माध्यमिक शिक्षा पाठयक्रम- NCF-2005 के निहितार्थों का प्रयोग। विषय केन्द्रित बनाम अनुभव केन्द्रित पाठयक्रम उपागम पाठयक्रम अभिकल्प निर्माण में रचनावादी उपागम के निहितार्थ। मानवतावादी पाठ्यक्रम: उद्देश्य, विशेषताएँ, शिक्षक की भूमिका एवं कक्षागत परिस्थितियों के लिए निहितार्थ।

इकाई - ४ : माध्यमिक स्तर पर शिक्षण - अधिगम - रचनावादी उपागम के अन्तर्गत शैक्षिक प्रतिमान सर्जनात्मक एवं खोजपरक शिक्षण रणनीतियाँ जीवन कौशल की शिक्षा समुदाय आधारित कार्यक्रम सूचना सम्प्रेषण तकनीकी अधिगम संकुल।

इकाई - ५ : माध्यमिक स्तर - आकलन एवं प्रबन्धन गुणवत्ता मापन, आकलन एवं मूल्यांन आकलन(स्वआकलन, सहपाठी आकलन, अध्यापक आकलन सम्पूर्ण गुणवत्ता प्रबन्धन, रणनीतिक नियोजन स्वाक SWOC विश्लेषण नेतृत्व शैली, जोहारी विण्डों।

सत्रीय कार्य :-

25 अंक

1. विभिन्न संगठनों यथा- केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद CBSE तथा विभिन्न शैक्षिणिक परिषदों द्वारा सहायित किसी विशिष्ट माध्यमिक स्तरीय संस्था का व्यष्टि अध्ययन करना।
2. माध्यमिक स्तरीय संस्था की शक्तियों तथा कमियों को उजागर करने हेतु स्वाट विश्लेषण।
3. प्रभावपूर्ण माध्यमिक स्तरीय संस्था की केस फाइल निर्माण तथा नवाचारी संस्थाओं के भ्रमण पर आधारित प्रतिवेदन बनाना।

प्रश्नपत्र - 10 - क I प्रारम्भिक शिक्षा में पाठ्यक्रम विकास

(Curriculum Development in Elementary Education)

कोर्स कोड = 212क (i) | कुल क्रेडिटस = 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह | कुल अंक = 100

अभीष्ट अधिगम परिणाम (Learning Outcomes)

- पाठ्यक्रम के आधारभूत तत्त्वों एवं सिद्धान्तों का अवबोध।
- पाठ्यक्रम विकास की चार अवस्थाओं यथा नियोजन, निर्माण, क्रियान्वयन एवं मूल्यांकन का अवबोध।
- प्रारम्भिक स्तर पर शिक्षा के किसी विषय पर पाठ्यक्रम निर्माण करने की दक्षता का विकास।
- प्रारम्भिक स्तर पर शिक्षा में प्रयुक्त पाठ्यक्रमों का राष्ट्रीय पाठ्यक्रम परिप्रेक्ष्य की अपेक्षाओं के अनुरूप मूल्यांकन करने की दक्षता का विकास।

पाठ्य-वस्तु (Content) — 75 अंक

इकाई १ : पाठ्यक्रम एवं उसके आधार- पाठ्यक्रम-अवधारणा, उद्देश्य, आधारभूत घटक, सिद्धान्त एवं प्रकार। प्रारम्भिक स्तर की शिक्षा हेतु प्रयुक्त प्रकार। राष्ट्रीय पाठ्यक्रम परिप्रेक्ष्य (NCF) - 2005 एवं प्रारम्भिक शिक्षा। पाठ्यक्रम के आधार-दार्शनिक, मनोवैज्ञानिक एवं सामाजिक।

इकाई २ : पाठ्यक्रम नियोजन- अभिप्राय, नियाजन के आधारभूत बिन्दु- विषय की प्रकृति, सामाजिक कारक, विकासात्मक कारक, शिक्षक सम्बन्धित कारक, संस्थागत कारक, पर्यावरणीय एवं अर्थशास्त्रीय कारक। प्रारम्भिक शिक्षा के स्तर के पाठ्यक्रम नियोजन के मुख्य कारक।

इकाई ३ : पाठ्यक्रम निर्माण प्रक्रिया- अनुदेशनात्मक उद्देश्यों का निरूपण, विषयवस्तु निर्धारण, विषयवस्तु के सापेक्षित भार का विशिष्टीकरण, शिक्षण अधिगम व्यूह रचनाओं का चयन, सन्दर्भ ग्रन्थ सामग्रियों का चयन तथा मूल्यांकन प्रक्रिया का विशिष्टीकरण। प्रारम्भिक स्तर की शिक्षा से सम्बन्धित किसी पाठ्यक्रम निर्माण पर आधारित दृष्टान्तीकरण।

इकाई ४ : पाठ्यक्रम विकास के प्रतिमान एवं क्रियान्वयन- चयनित प्रतिमान-(टाइलर प्रतिमान, ताबा प्रतिमान, सेलर और अलेक्जैन्डर, मिलर और सेलर प्रतिमान, रौजर्स प्रतिमान, औपचारिक स्वरूप प्रतिमान) पाठ्यक्रम क्रियान्वयन-विषयवस्तु विश्लेषण, इकाई अभिकल्पन और उपागम प्रस्तुतीकरण माध्यम।

इकाई ५ : पाठ्यक्रम मूल्यांकन (प्रारम्भिक स्तर की शिक्षा के सन्दर्भ में)- अवधारणा, सूक्ष्म एवं बृहद स्तर, विधियाँ, संरचनात्मक एवं योगात्मक मूल्यांकन के संदर्भ में पाठ्यक्रम मूल्यांकन। मानक एवं निकष संदर्भित उपागम आधारित पाठ्यक्रम मूल्यांकन। केन्द्रिय एवं राजकीय बोर्ड की प्रारम्भिक स्तर के पाठ्यक्रमों की तुलनात्मक समीक्षा।

सत्रीय कार्य - 25 अंक

1. प्रारम्भिक स्तर की शिक्षा के [illegible] विष[illegible] पर [illegible] सापेक्षित भार के विशिष्टीकरण पर आधारित दत्त कार्य।
2. प्रारम्भिक स्तर की शिक्षा के किसी विषय [illegible] की समीक्षा पर आधारित दत्त कार्य।
3. प्रारम्भिक स्तर की शिक्षा के किसी विषय प[illegible] निर्माण।
4. विभिन्न शिक्षा बोर्ड के प्रारम्भिक स्तर की [illegible] कक्षा के पाठ्यक्रम का तुलनात्मक अध्ययन।

प्रश्नपत्र - 10 - क II प्राथमिक शिक्षा में शैक्षिक प्रबन्धन एवं नेतृत्व

(Educational Management & Leadership in Elementary Education)

कोर्स कोड = 242-क (ii)
क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह

कुल क्रेडिटस = 04
कुल अंक = 100

अभीष्ट अधिगम परिणाम (Learning Outcomes)

- प्राथमिक स्तर पर शैक्षिक प्रबन्धन एवं प्रशासन की अवधारणा से परिचय तथा संस्थागत नियोजन, विकास और वातावरण को समझना।
- प्राथमिक स्तर पर नेतृत्व शैली तथा नेतृत्व प्रकारों का अवबोध।
- प्राथमिक स्तर पर प्रबन्धन में गुणवत्ता की अवधारणा से परिचय तथा सम्पर्ण गुणवत्ता प्रबन्धन का प्राथमिकस्तर पर अनुप्रयोग।
- प्रबन्धन में क्षमता संवर्धन हेतु नवीन अवधारणाओं से परिचय और प्राथमिकस्तर पर इन अवधारणाओं का अनुप्रयोग।
- प्राथमिक शिक्षा सम्बन्धी अधिनियमों, संस्थाओं एवं कार्यक्रमों से परिचय एवं अवबोध।

पाठ्य–वस्तु (Content)

75 अंक

इकाई १ शैक्षिक प्रबन्धन- अवधारणा, प्रबन्धन एवं प्रशासन में अन्तर, प्रबन्धन के सिद्धान्त ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में प्रबन्धन के उपागम, प्रबन्धन के कार्य (POSDORB) संस्थागत अनुपालन संस्थागत विकास संस्थागत वातावरण।

इकाई २ : शैक्षिक प्रबन्धन में नेतृतव- अवधारणा, शैली: विषयक आधारित, अभिवृत्ति आधारित, व्यवहार आधारित तथा परिस्थितिगत। नेतृत्व के प्रकार नेतृत्व के सिद्धान्त तथा शैक्षिक सन्दर्भ मे प्रभावी प्रबन्धन हेतु इनका अनुप्रयोग।

इकाई ३ : शैक्षिक प्रबन्धन में गुणवत्ता- गुणवता की अवधारणा, शिक्षा में गुणवता, गुणवत्ता नियन्त्रण, गुणवत्ता आश्वासन। सम्पूर्ण गुणवत्ता प्रबन्धन (TQM) : अवधारणा, तत्व सोपान तथा भारतीय शैक्षिक सन्दर्भ में सम्पूर्ण गुणवत्ता प्रबन्धन।

इकाई ४ : प्रबन्धन में क्षमता संवर्द्धन- प्राथमिक स्तर के प्रबन्धन में प्रधानाध्यकों एवं शिक्षकों की क्षमता विकास के संकेतन (Performance Indicator) क्षमता संवर्धन हेतु स्वाच (SWOC) विश्लेषण। सतत् विकास परक मूल्यांकन, केजनिंग। क्रियात्मक अनुसन्धान द्वारा क्षमता विकास। Can do, will do Analysis (सक्षमता एवं विश्लेषण)।

इकाई ५ : प्राथमिक शिक्षा सम्बन्धित अधिनियम, सस्थाएँ एवं कार्यक्रम- अधिनियम 45, R.T.E Act, NCERT, SCERT, NIOS बिना बोझ के शिक्षा, SSA, सर्व शिक्षा अभियाने ओपरेशन ब्लैक बोर्ड मध्याह भोजन योजना, (Mid day Meal)।

प्रश्नपत्र - 10 - क III प्रारम्भिक शिक्षा में अधिगम आकलन

(Assessement of Learning in Elementary Education)

कोर्स कोड = 262क (iii)
क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह

कुल क्रेडिटस = 04
कुल अंक = 100

अभीष्ट अधिगम परिणाम (Learning Outcomes)

- प्रारम्भिक शिक्षा में मापन, आकलन एवं मूल्यांकन की अवधारणाओं से अवगत कराना।
- प्रारम्भिक शिक्षा में संज्ञानात्मक एवं संज्ञानेत्तर योग्यताओं के आकलनार्थ उपकरणों से परिचित कराना।
- प्रारम्भिक स्तर की शिक्षा के किसी विषय हेतु उपलब्धि परीक्षण निर्माण क्षमता का विकास कराना।
- प्रारम्भिक शिक्षा में सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन के प्रारूप एवं कार्ययोजनाओं के प्रयोग की दक्षता विकसित करना।
- प्रारम्भिक शिक्षा में परीक्षा प्रणाली का राष्ट्रीय शिक्षा नीतियों के सन्दर्भ में सुधारात्मक प्रयासों को जानना।

पाठ्य–वस्तु (Content)

75 अंक

इकाई १ : मापन, आकलन एवं मूल्यांकन - अवधारणा, उद्देश्य, महत्व कार्य एवं अन्तर। शिक्षा में मूल्यांकन प्रक्रिया- उद्देश्यों का निर्धारण, अधिगम क्रियाओं का आयोजन एवं व्यवहार परिवर्तन। मूल्यांकन के प्रकार-स्थानन **(Position)** निदानात्मक, संरचनात्मक एवं योगात्मक (अभिप्राय, विशेषताएं, विधियाँ एवं अन्तर)।

इकाई २ : प्रारम्भिक शिक्षा में मापन एवं आकलन के उपकरण एवं प्रविधि- मापन के उपकरण-प्रश्नावली परीक्षण अनुसूची निर्धारणमापनी एवं उनकी विशेषताएं। निष्पादन आकलन-अभिप्राय, निर्माण, प्रयोग, गुण एवं सीमाएं। पोर्टफोलियो आकलन- अभिप्राय, निर्माण, प्रयोग, गुण एवं सीमाएं।

इकाई ३ : प्रारम्भिक शिक्षा में उपलब्धि परीक्षण - प्रकार- प्राचीन परीक्षण पद्धति निबन्धात्मक, वस्तु निष्ठ, प्रमापीकृत, अध्यापक निर्मित, गति एवं शक्ति परीक्षण ।

- परीक्षण निर्माण योजना बनाना, ब्लू प्रिन्ट निर्माण, पद लेखन, पद विश्लेषण (विभेद क्षमता एवं कठिनता स्तर) प्रश्नपत्र निर्माण ।
- NRT एवं CRT - (अभिप्राय, विशषताएँ अन्तर) ।
- परीक्षण प्रशासन,- प्रतिवेदन एवं प्रतिपुष्टि।

इकाई ४ :अच्छे परीक्षण की विशेषताएँ- व्यावहारिक एवं तकनीकी विशेषताओं का अभिप्राय- विश्वसनीयता- परीक्षण पुन: परीक्षण, समतुल्य परीक्षण विधि, अर्धविच्छेद विधि, आन्तरिक संगतता गुणांक, Chronbach गुणांक, Hoyt's विश्वसनीयता गुणांक। वैधता- विषयगत, अन्वय, संमवर्ती, पूर्वकथन, तार्किक एवं कारकीय वैधता।

इकाई ५ : प्राथमिक शिक्षा में परीक्षा प्रणाली -

- पारम्परिक प्रणाली, सतत व्यापक मूल्यांकन
- ग्रेड प्रणाली, प्रश्न बैंक सेमेस्टर प्रणाली।

प्रश्नपत्र - 10 ख - I माध्यमिक शिक्षा में पाठ्यक्रम विकास
(Curriculum Development in Secondary Education)

कोर्स कोड = 242ख (i)
क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह

कुल क्रेडिट्स = 04
कुल अंक = 100

अभीष्ट अधिगम परिणाम (Learning Outcomes)

- पाठ्यक्रम के आधारभूत तत्त्वों एवं सिद्धान्तों का अवबोध।
- पाठ्यक्रम विकास की चार अवस्थाओं यथा नियोजन, निर्माण, क्रियान्वयन एवं मूल्यांक का अवबोध।
- माध्यमिक स्तर पर शिक्षा के किसी विषय पर पाठ्यक्रम निर्माण करने की दक्षता का विकास।
- माध्यमिक स्तर पर शिक्षा में प्रयुक्त पाठ्यक्रमों का राष्ट्रीय पाठ्यक्रम परिप्रेक्ष्य की अपेक्षाओं के अनुरूप मूल्यांकन करने की दक्षता का विकास।

75 अंक

पाठ्य-वस्तु (Content)

इकाई १ : पाठ्यक्रम एवं उसके आधार- पाठ्यक्रम-अवधारणा, उद्देश्य, आधारभूत घटक, सिद्धान्त एवं प्रकार। माध्यमिक स्तर की शिक्षा हेतु प्रयुक्त प्रकार। राष्ट्रीय पाठ्यक्रम संरचना (NCF)- 2005 एवं माध्यमिक शिक्षा। पाठ्यक्रम के आधार-दार्शनिक, मनोवैज्ञानिक एवं सामाजिक।

इकाई २ : पाठ्यक्रम नियोजन- अभिप्राय, नियोजन के आधारभूत बिन्दु- विषय की प्रकृति सामाजिक, विकासात्मक कारक, शिक्षक सम्बन्धित कारक, संस्थागत कारक, पर्यावरणीय एवं अर्थशास्त्रीय कारक। माध्यमिक शिक्षा के स्तर के पाठ्यक्रम नियोजन के मुख्य कारक।

इकाई ३ : पाठ्यक्रम निर्माण प्रक्रिया- अनुदेशनात्मक उद्देश्यों का निरूपण, विषयवस्तु निर्धारण, विषयवस्तु के सापेक्षित भार का विशिष्टीकरण, शिक्षण अधिगम व्यूह रचनाओं का चयन, सन्दर्भ ग्रन्थ सामग्रियों का चयन तथा मूल्यांकन प्रक्रिया का विशिष्टीकरण, माध्यमिक स्तर की शिक्षा से सम्बन्धित किसी पाठ्यक्रम निर्माण पर आधारित दृष्टान्तीकरण।

इकाई ४ : पाठ्यक्रम विकास के प्रतिमान एवं क्रियान्वयन- चयनित प्रतिमान-(टाइलर प्रतिमान, ताबा प्रतिमान, सेलर और अलेक्जैन्डर, मिलर और सेलर प्रतिमान, रोजर्स प्रतिमान, ओपन क्लासरूप प्रतिमान) पाठ्यक्रम क्रियान्वयन-विषयवस्तु विश्लेषण, इकाई अभिकल्पन और उपयुक्त प्रस्तुतीकरण माध्यम।

इकाई ५ : पाठ्यक्रम मूल्यांकन (माध्यमिक स्तर की शिक्षा के सन्दर्भ में)- अवधारणा, सूक्ष्म एवं बृहद स्तर, विधियाँ, संरचनात्मक एवं योगात्मक मूल्यांकन के संदर्भ में पाठ्यक्रम मूल्यांकन। मानक एवं निकष संदर्भित उपागम आधारित पाठ्यक्रम मूल्यांकन। केन्द्रिय एवं राजकीय बोर्ड की माध्यमिक स्तर के पाठ्यक्रमों की तुलनात्मक समीक्षा।

25 अंक

सत्रीय कार्य -

1. माध्यमिक स्तर की शिक्षा के किसी एक विषय के उप-विषयों पर सापेक्षित भार के विशिष्टीकरण पर आधारित दत्त कार्य।
2. माध्यमिक स्तर की शिक्षा के किसी विषय के पाठ्यक्रम की समीक्षा पर आधारित दत्त कार्य।
3. माध्यमिक स्तर की शिक्षा के किसी विषय पर पाठ्यक्रम निर्माण।

प्रश्नपत्र- 10 - ख II माध्यमिक शिक्षा में शैक्षिक प्रबन्धन एवं नेतृत्व

(Educational Management & Leadership in Secondary Education)

कोर्स कोड = 242 क (ii) कुल क्रेडिटस = 04

क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

अभीष्ट अधिगम परिणाम (Learning Outcomes)

- माध्यमिक स्तर पर शैक्षिक प्रबन्धन एवं प्रशासन की अवधारणा से परिचय तथा संस्थागत नियोजन, विकास और वातावरण को समझना।
- माध्यमिक स्तर पर नेतृत्व शैली तथा नेतृत्व प्रकारों का अवबोध।
- माध्यामिक स्तर पर प्रबन्धन में गुणवत्ता की अवधारणा से परिचय तथा सम्पर्ण गुणवत्ता प्रबन्धन का माध्यमिक स्तर पर अनुप्रयोग।
- प्रबन्धन में क्षमता संवर्धन हेतु नवीन अवधारणाओं से परिचय और माध्यमिक स्तर पर इन अवधारणाओं का अनुप्रयोग।
- माध्यमिक शिक्षा सम्बन्धी अधिनियमों, संस्थाओं एवं कार्यक्रमों से परिचय एवं अवबोध।

पाठ्य–वस्तु (Content) 75 अंक

इकाई १ शैक्षिक प्रबन्धन- अवधारणा, प्रबन्धन एवं प्रशासन में अन्तर, प्रबन्धन के सिद्धान्त ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में प्रबन्धन के उपागम, प्रबन्धन के कार्य (POSDORB) संस्थागत अनुपालना संस्थागत विकास संस्थागत वातावरण।

इकाई २ : शैक्षिक प्रबन्धन में नेतृतव- अवधारणा, शैली: विषयक आधारित, अभिवृत्ति आधारित, व्यवहार आधारित तथा परिस्थितिगत। नेतृत्व के प्रकार नेतृत्व के सिद्धान्त तथा शैक्षिक सन्दर्भ मे प्रभावी प्रबन्धन हेतु इनका अनुप्रयोग।

इकाई ३ : शैक्षिक प्रबन्धन में गुणवत्ता- गुणवत्ता की अवधारणा, शिक्षा में गुणवत्ता, गुणवत्ता नियन्त्रण, गुणवत्ता आश्वासन। सम्पूर्ण गुणवत्ता प्रबन्धन (TQM) : अवधारणा, तत्व सोपान तथा भारतीय शैक्षिक सन्दर्भ में सम्पूर्ण गुणवत्ता प्रबन्धन।

इकाई ४ : प्रबन्धन में क्षमता संवर्धन- प्राथमिक स्तर के प्रबन्धन में प्रधानाध्यकों एवं शिक्षकों की क्षमता विकास के संकेतन (Performance Indicator) क्षमता संवर्धन हेतु स्वाच (SWOC) विश्लेषण। सतत् विकास परक मूल्यांकन, केजनिग। क्रियात्मक अनुसन्धान द्वारा क्षमता विकास। Can do, will do Analysis (सक्षमता एवं विश्लेषण)।

इकाई ५ : माध्यमिक शिक्षा सम्बन्धित अधिनिय, सस्थाएँ एवं कार्यक्रम- अधिनियम 45, R.T.E Act, NCERT, SCERT, NIOS बिना बोझ के शिक्षा, SSA, सर्व शिक्षा अभियान ओपरेशन ब्लैक बोर्ड मध्याह भोजन योजना, (Mid day Meal)।

प्रश्नपत्र - 10 - ख III माध्यमिक शिक्षा में अधिगम आकलन
(Assessement of Learning in Elementary Education)

कोर्स कोड = 242 क (iii)
क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह

कुल क्रेडिटस = 04
कुल अंक = 100

अभीष्ट अधिगम परिणाम (Learning Outcomes)

- माध्यमिक शिक्षा में मापन, आकलन एवं मूल्यांकन की अवधारणाओं से अवगत कराना।
- माध्यमिक शिक्षा में संज्ञानात्मक एवं संज्ञानेत्तर योग्यताओं के आकलनार्थ उपकरणों से परिचित कराना।
- माध्यमिक स्तर की शिक्षा के किसी विषय हेतु उपलब्धि परीक्षण निर्माण क्षमता का विकास कराना।
- माध्यमिक शिक्षा में सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन के प्रारूप एवं कार्ययोजनाओं के प्रयोग की दक्षता विकसित करना।
- माध्यमिक शिक्षा में परीक्षा प्रणाली का राष्ट्रीय शिक्षा नीतियों के सन्दर्भ में सुधारात्मक प्रयासों को जानना।

पाठ्य–वस्तु (Content)

75 अंक

इकाई १ : मापन, आकलन एवं मूल्यांकन - अवधारणा, उद्देश्य, महत्त्व कार्य एवं अन्तर। शिक्षा में मूल्यांकन प्रक्रिया- उद्देश्यों का निर्धारण, अधिगम क्रियाओं का आयोजन एवं व्यवहार परिवर्तन। मूल्यांकन के प्रकार-स्थानन (Position) निदानात्मक, संरचनात्मक एवं योगात्मक (अभिप्राय, विशेषताएं, विधियाँ एवं अन्तर)।

इकाई २ : माध्यमिक शिक्षा में मापन एवं आकलन के उपकरण एवं प्रविधि- मापन के उपकरण-प्रश्नावली परीक्षण अनुसूची निर्धारणमापनी एवं उनकी विशेषताएं। निष्पादन आकलन-अभिप्राय, निर्माण, प्रयोग, गुण एवं सीमाएं। पोर्टफोलियो आकलन- अभिप्राय, निर्माण, प्रयोग, गुण एवं सीमाएं।

इकाई ३ : माध्यमिक शिक्षा में उपलब्धि परीक्षण - प्रकार- प्राचीन परीक्षण पद्धति निबन्धात्मक, वस्तु निष्ठ, प्रमापीकृत, अध्यापक निर्मित, गति एवं शक्ति परीक्षण ।

- परीक्षण निर्माण योजना बनाना, ब्लू प्रिन्ट निर्माण, पद लेखन, पद विश्लेषण (विभेद क्षमता एवं कठिनता स्तर) प्रश्नपत्र निर्माण ।
- NRT एवं CRT - (अभिप्राय, विशषताएँ अन्तर)।
- परीक्षण प्रशासन, प्रतिवेदन एवं प्रतिपुष्टि।

इकाई ४ :अच्छे परीक्षण की विशेषताएँ- व्यावहारिक एवं तकनीकी विशेषताओं का अभिप्राय- विश्वसनीयता- परीक्षण पुनः परीक्षण, समतुल्य परीक्षण विधि, अर्द्धविच्छेद विधि, आन्तरिक संगतता गुणांक, Chronbach गुणांक, Hoyt's विश्वसनीयता गुणांक। वैधता- विषयगत, अन्वय, समवर्ती, पूर्वकथन, तार्किक एवं कारकीय वैधता।

इकाई ५ : माध्यमिक शिक्षा में परीक्षा प्रणाली -

- पारम्परिक प्रणाली, सतत व्यापक मूल्यांकन
- ग्रेड प्रणाली, प्रश्न बैंक सेमेस्टर प्रणाली।

संस्था सम्बद्धता

(Institution Attachment)

कोर्स कोड = 243

कुल क्रेडिटस = 08

कुल अंक = 200

कोर्स कोड	कोर्स का नाम	अवधि	अंक
243 - i	संस्था सम्बद्धता अध्यापक शिक्षा संस्थागत सम्बद्धता (Teacher Eduction Institutional Attachment)	4 Weeks	100
243 - ii	संस्था सम्बद्धता विशेषज्ञता आधारित संस्थागत सम्बद्धता (Specialization based Institutional Attachment)	4 Weeks	100

दोनो संस्थागत सम्बद्धता हेतु पाठ्यक्रमीय क्रियायें

(१०० अंक/ संस्था सम्बद्धता)

क्र.सं.	पाठ्यक्रमीय क्रियायें	अंक
(i)	स्थानबद्ध संस्था से सम्बन्धित अनुभवों का प्रेक्षण अभिलेख निर्माण एवं प्रस्तुतिकरण प्रति सप्ताह।	20 (5+5+5+5)
(ii)	स्थानबद्ध संस्था का पार्श्वचित्र निर्माण। (अन्त में)	20
(iii)	स्थानबद्ध संस्था की गतिविधियों एवं कार्यक्रमों पर आधारित आख्या प्रतिवेदन निर्माण एवं प्रस्तुति। (अन्त में)	20 (15+5)
(iv)	स्थानबद्ध संस्था के प्रशासनिक ढाँचे एवं कार्य प्रणाली पर प्रतिवेदन एवं प्रस्तुति। (अन्त में)	20 (15+5)
(v)	स्थानबद्ध संस्था के अनुभवों पर आधारित विमर्शी प्रतिवेदन एवं प्रस्तुति। (अन्त में)	20 (15+5)

शिक्षाचार्य (एम.एड.) पाठ्यक्रम

चतुर्थ सेमेस्टर

KSOU

शिक्षाचार्य (एम.एड.) द्वितीय वर्ष
चतुर्थ सेमेस्टर पाठ्यक्रम स्वरूप

कुल अंक = 500
कुल क्रेडिट्स = 20+2*

कोर्स कोड (Course code)	कोर्स संख्या (course No.)	कोर्स का नाम (Name of the course)	कोर्स श्रेणी (Course Category)	कुल अंक (Total Marks)	कुल क्रेडिट्स (Total Credits)	घण्टे/सप्ताह (Hours/ weeks)	घण्टे/सेमेस्टर (Hours/ Semester)
		Theory (सैद्धान्तिक)		**200**	**08**	**08**	**160**
261	11	संस्कृत शिक्षण शास्त्र (Sanskrit Pedagogy)	संकेन्द्रिक अनिवार्य (Core Compulsory)	100 75 (E)+25 (I)	04	04	80
262	12	ऐच्छिक –(निम्नलिखित में से कोई एक) (Optional -Any one of the following)	वैकल्पिक (Elective) i	100 75 (E)+25 (I)	04	04	80
262- i	12- I	मूल्य शिक्षा (Value Education)					
262- ii	12- II	योग शिक्षा (Yoga Education)					
262- iii	12- III	प्राचीन शिक्षा का इतिहास एवं दर्शन (Philosophy & History of Ancient Education)					
262-iv	12- Iv	मानवाधिकार शिक्षा (Human Rights Education)					
262-v	12- v	दूरवर्ती शिक्षा (Distance Education)					
263	13-	ऐच्छिक निम्नलिखित में से कोई एक (Optional -Any one of the following)	वैकल्पिक (Elective) ii	100 75 (E)+25 (I)	04	04	80
263- i	13- I	समावेशी शिक्षा (Inclusive Education)					
263- ii	13- II	निर्देशन एवं उपबोधन (Guidance & Counselling)					
263- iii	13-III	पर्यावरण शिक्षा(Environmental Education)					
263- (iv)	13- IV	तुलनात्मक शिक्षा (Comparative Education)					
263- (v)	13- V	भाषा शिक्षा (Language Education					
264		लघु शोध प्रबन्ध (Dissertation)	क्षेत्र आधारित शोध (Field based Research)	200	08	-	-
(i)		पूर्व लघुशोध प्रबन्ध संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण ।		50(I)			
(ii)		लघुशोध प्रबन्ध		100(E)			
(iii)		मौखिकी		50(E)			
271		शैक्षिक गतिविधियाँ (Educational Activities)	अनिवार्य Compulsory	50	2*	80% अनिवार्य	
(i)		शैक्षिक भ्रमण (विभाग द्वारा अपने व्यावहारिक संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर)					
(ii)		राष्ट्रीय/ राज्य स्तरीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुति(किसी विश्वविद्यालय या महाविद्यालय में आयोजित					
(iii)		लक्ष्य समूह परिचर्चा एवं विमर्शी प्रतिवेदन					
(iv)		सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन					

प्रश्नपत्र - 11 संस्कृत शिक्षण शास्त्र

(Sanskrit Education)

क्रोर्स कोड = 261 कुल क्रेडिटस = 04

क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

अभीष्ट अधिगम परिणाम (Learning Outcomes)

- संस्कृत शिक्षा क्षेत्र के विषय में पूर्णरूप से अवबोध कराना।
- संस्कृत शिक्षा के विकास, समस्याओं का अवबोध कराना।
- संस्कृत शिक्षा में अनुसन्धान हेतु क्षेत्रों से परिचित कराना।
- संस्कृत शिक्षा से जुड़ी संस्थाओं की भूमिकाओं से अवगत कराना।
- संस्कृत शिक्षा में नूतन प्रवृत्तियों से अवगत कराना।

पाठ्य–वस्तु (Content) 75 अंक

इकाई १ : संस्कृत शिक्षा का विकास- प्राचीन से अर्वाचीन तक संस्कृत शिक्षा, सम्प्रत्यय, उद्देश्य, पाठयचर्या शिक्षण, विधियाँ मूल्यांकन, संस्कृत भाषा का भाषाशास्त्रीय महत्त्व।

इकाई २ : संस्कृतशिक्षा में अनुसन्धान क्षेत्र- वर्णनात्मक, प्रायोगिक एवं ऐतिहासिक, दार्शनिक, क्रियात्मक अनुसंधान विधियाँ। संस्कृतशिक्षण की समस्याओं पर आधारित अनुसंधान। शिक्षणविधियों पर आधारित अनुसन्धान। संस्कृत अधिगम पर आधारित अनुसन्धान। प्राचीन संस्कृत ग्रन्थों पर आधारित अनुसन्धान।

इकाई ३ : संस्कृत शिक्षा का सवंर्धन- संस्कृत अधिगम के लिये अनुदेशनात्मक सामग्री का निर्माण। संस्कृत सम्भाषण शिविर- आयोजन एवं प्रविधि। संस्कृत में शिक्षक कार्यक्रम का आयोजन तथा दायित्व। संस्कृतभाषा सम्बद्ध प्रदर्शनी। संस्कृतसम्बद्ध संगोष्ठी/सम्मेलन का आयोजन। अनुदेशन अभिक्रमित द्वारा संस्कृत शिक्षण की विभिन्न सरकारी एवं गैरसरकारी परीक्षण संस्थाएँ ।

इकाई ४ : संस्कृत शिक्षा से जुड़ी संस्थाएं- संस्कृत पाठशाला, गुरूकुल एवं अभिनव प्रयोग। संस्कृत परीक्षा मण्डल/समिकत। संस्कृत संवर्धन संगठन। संस्कृत विश्वविद्यालय। संस्कृत शोध संस्थाएें- संस्कृत अकादमी, सरकारी संस्थाएं, एव स्वयं सेवी संस्थाएं।

इकाई ५ : संस्कृत शिक्षा में नूतन प्रवृत्तियाँ- संस्कृत शिक्षा में ई-अधिगम, संगणकाधारित संस्कृतशिक्षण, MOOCS, E-PG Pathshala दूरवर्ती के माध्यम से संस्कृत अध्ययन, संस्कृतशिक्षा में स्वाध्याय सामग्री जैसे संस्कृत किट (Kit)

सत्रीय कार्य : 25 अंक

1. संस्कृतभाषाधारित सामग्री का निर्माण
2. संस्कृत विकास विषय सम्बन्धित PPT
3. संस्कृत क्षेत्र में साहित्यसेवी सम्मान/पुरस्कार सम्बन्धित विवरणों का संकलन।
4. किसी एक संस्कृतपाठय पुस्तक की समीक्षा।

प्रश्नपत्र - 12 - I मूल्य शिक्षा

(Value Education)

कोर्स कोड = 262 (i) कुल क्रेडिटस = 04

क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

अभीष्ट अधिगम परिणाम (Learning Outcomes)

- भारतीय संस्कृति एवं परम्परा में अधिमान्य मूल्यों की निर्धारण प्रक्रिया के प्रति संवदेनशीलता विकसित करना।
- भारतीय वाङ्मय में मूल्यों तथा मूल्य निर्धारण के मानकों का आधुनिक संदर्भ में उपयोग के प्रति अभिप्रेरित करना।
- भारतीय संविधान में निहित मूल्यों के संवर्धन हेतु आपेक्षित कौशलों का विकास करना।

पाठ्य–वस्तु (Content) 75 अंक

इकाई १ : मूल्य शिक्षा- स्वरूप, उद्देश्य तथा विकास, मानवीय मूल्यों की अवधारणा (भारतीय तथा पाश्चात्य सन्दर्भ में) आवश्यकता, उद्देश्य तथा महत्त्व, मूल्यपरक शिक्षा का विकास, विभिन्न आयोगों एवं समितियों की संस्तुतियाँ। मूल्यों का वर्गीकरण-शैक्षिक, संवैधानिक, सामाजिक, नैतिक तथा आध्यात्मिक मूल्य, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (NCERT) के अनुसार मूल्य सूची, सार्वभौमिक मूल्य।

इकाई २ : मूल्यों के सोत्र- संवैधानिक सोत्र (हमारे संविधान की प्रस्तावना, शिक्षा सम्बन्धी संवैधानिक प्रावधान, संविधान के माध्यम से मूल्यों का विकास) धार्मिक सोत्र (धार्मिक मूल्य, धर्म के माध्यम से मूल्यों का विकास)

इकाई ३ : नैतिक शिक्षा- भारतीय सन्दर्भ - पुरूषार्थ, के परिप्रेक्ष्य में स्मृति के संदर्भ में आत्मगुण

इकाई ४ : मूल्य शिक्षा की विधियाँ- परोक्ष मूल्य सूचक (लक्ष्य, आकांक्षाएं, अभिवृत्तियाँ, रूचियाँ, भावनाएं, विश्वास व दृढ धारणाएं, क्रियाएं, चिन्ताएं, बाधाएं) विभिन्न विषयों के शिक्षण द्वारा मूल्यों की शिक्षा, प्रत्यक्ष मूल्य शिक्षण की विधियाँ - पाठ्यसहगामी क्रियाओं द्वारा मूल्यशिक्षा, मूल्य शिक्षा की एकीकरण विधियाँ- भूमिका निर्वहन विधि, अनुरूपीकरण, मूल्य स्पष्टीकरण विधि, कथा प्रस्तुतीकरण विधि, मूल्य विश्लेषण विधि, चर्चा विधि और जीवनी पठन विधि।

इकाई ५ : राष्ट्रीय एकता के लिये मूल्य परक शिक्षा- राष्ट्रीय एकता की अवधारणा, आवश्यकता, स्वरूप, नीतियाँ एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में कठिनाइयाँ। राष्ट्रीय एकीकरण तथा अन्तर्राष्ट्रीय सद्भावना के विकास में मूल्यपरक शिक्षा की भूमिका। विद्यालयों के विभिन्न स्तरों के लिये मूल्य शिक्षा पाठ्यक्रम,

प्रश्नपत्र - 12 - II योग शिक्षा

(Yoga Education)

कोर्स कोड = 262 (ii) कुल क्रेडिटस = 04

क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

अभीष्ट अधिगम परिणाम (Learning Outcomes)

- योगदर्शन के तत्त्वमीमांसकीय आधारों से परिचित कराना।
- शारीरिक एवं मानसिक समन्वय द्वारा आध्यात्मिक उपलब्धि में योग की प्रासंगिकता का ज्ञान कराना।
- बहु आयामी व्यक्तित्व के निर्माण में योग का सामाजिक-मनोवैज्ञानिक आधार स्पष्ट करना।
- योग की वैज्ञानिकता एवं उपशामक क्षमता का परिज्ञान कराना।

पाठ्य–वस्तु (Content) 75 अंक

इकाई १ :योगशास्त्र की भारतीय अवधारणा -वेद-उपनिषद् वाड्.मय में योग, पाताञ्जल योग, जैन बोध योग, योग प्रचार की सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाएँ। पुरुष की अवधारणा, ब्रह्माण्ड की वास्तविकता। प्रकृति एवं मौलिक तत्त्व के रूप में। सर्ग की अवधारणा एवं प्रक्रिया। बुद्धि (महत) और अहंकार की अवधारणा, प्रकृति, वैयक्तिक मौलिक तत्त्व के रूप में। अहंकार एवं गुणत्रय- मन, कर्मेन्द्रियाँ और तन्मात्राएँ-ज्ञान की प्रकृति और प्राप्त करने की प्रक्रिया-प्राणायाम। योग का दर्शन, वैयक्तिक एवं सामाजिक अन्वय में संबन्ध- योग की अवधारणा, स्वस्थ और एकीकृत जीवन-यापन हेतु योग, मानव के सामाजिक-नैतिक उन्नयन हेतु योग। आध्यात्मिक विकास और जागरूकता हेतु योग पुरुष ।

इकाई २ : योगत्रय की अवधारणा- भगवद्गीता ज्ञान, भक्ति और कर्म योग का स्वरूप।

इकाई ३ : योग की साधना के संदर्भ में- यम-नियम-आसन-प्राणायाम-प्रत्याहार-धारणा-ध्यान और समाधि।

इकाई ४ : योग का वैज्ञानिक आधार- योग और मानसिक स्वास्थ्य। योगिक और मनोविज्ञान। योग द्वारा उपशमन (उपचार), विभिन्न आसनों और उनके प्रभाव से शरीर और मन को स्वस्थ रखना।

इकाई ५ : योग अनुसंधान, एवं सुस्थिर जीवन शैली- योगशिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान की आवश्यकता, अनुसंधान के क्षेत्र अन्तर्विद्यापरक शोध की योगशिक्षा के क्षेत्र में प्रासंगिकता।

सत्रीय कार्य- निम्नलिखित में से कोई दो- 25 अंक

1. अष्टांग योग पद्धति की प्रांसगिकता पर आधारित समूह परिचर्चा।
2. सुस्थिर जीवन शैली जिसमें सफल संमजन एवं तनाव प्रबन्धन सम्मिलित हो को दृष्टिगत रखते हुए विशिष्ट कार्यक्रम अभिकल्पित/प्रस्तवित करना।
3. योग शिक्षा का मानसिक स्वास्थ्य में योग दान पर कार्यशाला आयोजित करना।
4. संस्थाओं के द्वारा आयोजित योगकार्यक्रम में भागग्रहण या किसी योग संस्था का सन्दर्भ।

प्रश्नपत्र - 12 - III प्राचीन शिक्षा का इतिहास एवं दर्शन

(Philosophy & History of Ancient Education)

कोर्स कोड = 262 (iii) कुल क्रेडिटस = 04

क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

अभीष्ट अधिगम परिणाम (Learning Outcomes)

- प्राचीन शिक्षा के ऐताहासिक परिप्रेक्ष्य का अध्ययन करना
- भारतीय शिक्षा के दार्शनिक एवं ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में शिक्षा की वर्तमान समस्याओं का समीक्षात्मक अवबोध विकसित कराना।
- भारतीय दर्शन में समाविष्ट पद्धतियों एवं मूल्यों का आधुनिक संदर्भ में निहितार्थों का अवलोकन करना।
- भारतीय वाङ्मय में चर्चित व्यवस्थाओं एवं मूल्यों का समीक्षात्मक अध्ययन करना।

पाठ्य–वस्तु (Content) 75 अंक

इकाई १ : प्राचीन भारतीय शिक्षा एवं दर्शन का उद्गम और विकास- वेद, उपनिषद् एवं अन्य प्राचीन भारतीय वाङ्मय के संदर्भ में। भारतीय दर्शन-ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में विभिन्न दार्शनिक सम्प्रदायों की दृष्टि। (भारतीय दर्शन की समग्र दृष्टि)-वैदिक, औपनिषदिक, न्याय, वैशेषिक, सांख्य योग, वेदान्त, चार्वाक, जैन, तथा बौद्ध।

इकाई २ : प्राचीन भारतीय शिक्षा और आध्यात्मिकता- प्राचीन भारतीय शिक्षा के परिवर्तनशील उद्देश्य। युगानुरूप मूल्यों के साथ सम्बद्धता। प्राचीन भारतीय शिक्षा के शैक्षिक संस्कार एवं उनकी प्रासंगिकता-समावर्तन, उपनयन आदि।

इकाई ३ : प्राचीन भारतीय शिक्षा के विभिन्न आयाम- शिक्षक स्वरूप, दायित्व, शिक्षक-शिक्षार्थी सम्बन्ध, पाठ्यक्रम, शिक्षणविधि, विद्यालय व्यस्था एवं मूल्यांकन।

इकाई ४ : प्राचीन भारतीय शिक्षा में विविधता व्यावसायिक शिक्षा, स्त्री शिक्षा, कला शिक्षा, विज्ञान की शिक्षा, व्यवसायिक शिक्षा, आयुर्वेद ज्योतिष एवं पौरोहित्य के विशेष सन्दर्भ में। प्राचीन भारतीय शिक्षादर्शन की सामाजिक अवधारणा-वर्णाश्रम का स्वरूप, शिक्षा पर प्रभाव (विभिन्न स्मृतियों के सन्दर्भ में)।

इकाई ५ : प्राचीन भारतीय शैक्षिक मूल्यों की वर्तमान परिस्थितियों में प्रासंगिकता- विश्व के अनेक धर्मो एवं उनके उपयोगी तत्त्वों का प्राचीनभारतीय शैक्षिकविचारधारा मे अन्तर्भाव। विश्वकल्याण एवं 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना का विकास।

प्रश्नपत्र - 12 - IV मानवाधिकार शिक्षा
(Human Rights Education)

कोर्स कोड = 262 (iv) कुल क्रेडिटस = 04

क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

अभीष्ट अधिगम परिणाम (Learning Outcomes)

- मानवाधिकार शिक्षा की अवधारणा, आवश्यकता एवं महत्त्व से परिचय।
- भारत में मानवाधिकारों के विकास तथा संविधान में वर्णित अधिकारों का अवबोध।
- मानवाधिकार शिक्षण की विभिन्न विधियों से परिचित कराकर उनके प्रयोग में सक्षमता।
- मानवाधिकार शिक्षा में विभिन्न संस्थाओं तथा संसाधनों की भूमिका का अवबोध।

पाठ्य–वस्तु (Content) 75 अंक

इकाई १ : मानवाधिकार शिक्षा - मानवाधिकार- भारतीय तथा पाश्चात्य सन्दर्भ में अवधारणा, मानवाधिकार शिक्षा की अवधारणा, आवश्यकता, उद्देश्य तथा महत्त्व। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकार अवधारणा का विकास। मानवाधिकार सार्वभौमिक घोषणा पत्र में वर्णित अधिकार -(समानता, शिक्षा, जीवन, स्वतंन्त्रता, सम्मान, आर्थिक, राजनैतिक तथा सामाजिक। प्रमुख मानवाधिकार सम्मेलनों (Conventions) यथा-बाल अधिकार सम्मेलन (CRC,1989) तथा महिलाओं के विरूद्ध भेदभाव निस्तारण सम्मेलन (CEDAW,1979) का संक्षिप्त परिचय तथा उनके द्वारा मानवाधिकार संरक्षण हेतु किये गये प्रयास।

इकाई २ : भारत में मानवाधिकार- भारत में मानवाधिकारों का विकास एवं ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य। संविधान में वर्णित मूलभूत अधिकार , नीति निर्देशक, तत्त्व एवं कर्त्तव्य।

इकाई ३ : मानवाधिकार तथा विशिष्ट वर्ग - बालकों के शोषण के विरुद्ध अधिकार, महिलाओं, अल्पसंख्यकों तथा सुविधा वंचित वर्गो के अधिकार।

इकाई ४ : मानवाधिकार शिक्षण की विधियाँ - भूमिका निर्वाह, व्यक्तिवृत्त , अध्ययन, वाद-विवाद, मस्तिष्क मंथन, एवं मूल्य स्पष्टीकरण विधियाँ।

इकाई ५ : मानवाधिकार संरक्षण हेतु कार्यरत राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाएँ एवं संसाधन- राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय मानवाधिकार आयोग, महिला एवं बाल अधिकार आयोग, स्वयंसेवी संस्थाएँ, एवं यू.एन. ओ., का परिचय एवं कार्यप्रणाली। **संसाधन** - जनसंचार के माध्यम तथा इन्टरनेट आदि।

सत्रीय कार्य- निम्नलिखित में से कोई दो- **25 अंक**

1. अल्पसंख्यकों, महिलाओं तथा सुविधावंचित वर्गों के अधिकारों में से किन्हीं एक पर परिचर्चा।
2. मानवाधिकार से आहत संवर्गों को दृष्टिगत रखते हुए व्यष्टि अध्ययन करना।
3. मानवाधिकार शिक्षण विधियों पर आधारित प्रायोगिक कार्य।

प्रश्नपत्र - 12 - V दूरवर्ती शिक्षा

(Distance Education)

कोर्स कोड = 262 (v) कुल क्रेडिटस = 04

क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

अभीष्ट अधिगम परिणाम (Learning Outcomes)

- दूरस्थ शिक्षा की प्रकृति और आवश्यकता से परिचित कराना।
- सूचना प्रौद्योगिकी, संचार प्रकारों एवं शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में उनके उपयोग से अवगत कराना।
- छात्र सहायता सेवाओं के विविध प्रकारों की जानकारी तथा दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से इन सेवाओं के विविध कार्यक्रमों के प्रबन्ध कौशल की योग्यता विकसित करना।
- दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों के मूल्यांकन के गुण और स्तर बढ़ाने की योग्यता प्रदान करना।

पाठ्य–वस्तु (Content) 75 अंक

इकाई - १ : दूरवर्ती शिक्षा और इसका विकास- अवधारणा, शिक्षण-अधिगम तत्त्व, आवश्यकता, विशेषतायें, विकास। भारत में दूरस्थ शिक्षण-अधिगम पद्धति। छात्र सहायता सेवायें, दूरस्थ शिक्षा द्वारा तकनीकी एवं व्यावसायिक कार्यक्रम, महिलाओं के लिए कार्यक्रम, दूरस्थ शिक्षा और ग्रामीण विकास।

इकाई - २ : दूरवर्ती हस्तक्षेपों से सम्बन्धित रणनीतीयाँ- सूचना और संचार प्रद्योगिकी एवं उनका निहितार्थ। स्वनिर्देशित सामग्री और अभिकल्प का निर्माण। शिक्षा में इलेक्ट्रानिक माध्यम व दूरस्थ शिक्षा। दूरवर्ती शिक्षा आनलाइन साधन-मूक, स्वयं प्रभा किशोर मंच, अर्पित

इकाई - ३ : गुणात्मकता उन्नयन एवं कार्यक्रम मूल्यांकन- दूरस्थ शिक्षा की गुणवत्ता, आश्वासन। प्रतिश्रुत दूरस्थशिक्षा के निर्माण मानक, यान्त्रिक निर्माणस्तर। कार्यक्रम मूल्यांकन।

इकाई - ४ : दूरवर्ती शिक्षा में लागत विश्लेषण- सम्प्रत्यय, आवश्यकता, प्रक्रिया। दूरस्थ शिक्षा में नये आयाम, भविष्य के लिये आश्वासन।

इकाई - ५ : दूरवर्ती शिक्षा एवं औपचारिक आवासीय शिक्षा में सम्बन्ध- अवधारणाएं एवं भारतीय संदर्भ में समस्याएँ। दूरस्थ शिक्षा में शोध-दूरस्थ शिक्षा से सम्बन्धित भारतीय सन्दर्भ में शोध के मुख्यबिन्दु, गुणवत्ता की दृष्टि से उनके निहितार्थ।

सत्रीय कार्य- निम्नलिखित में से कोई दो- 25 अंक

1. **दूरस्थ शिक्षा में प्रविष्ट छात्रों की समस्याओं का व्यष्टि अध्ययन।**
2. दूरस्थ शिक्षा के आयोजन स्तर पर केन्द्रित समस्याओं पर संगोष्ठी आयोजित करना।
3. दूरस्थ शिक्षा में गुणवत्ता के आयाम विकसित करने की दृष्टि से सूचना एवं सम्प्रेषण प्रौद्योगिकी के उपयोग विषय पर कार्यशाला आयोजित करना।

प्रश्नपत्र - 13-I समावेशी शिक्षा

(Inclusive Education)

कोर्स कोड = 263 (i) कुल क्रेडिटस = 04

क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

अभीष्ट अधिगम परिणाम (Learning Outcomes)

- समावेशित शिक्षा के आधुनिक परिप्रेक्ष्य का तर्काधार समझने की योग्यता विकसित करना।
- शिक्षा में समावेशित शिक्षा की अवधारणा का प्रबल आधार खोजने की संवेदनशीलता लाना।
- विशेष संवर्ग के बच्चो की शिक्षा की आवश्यकता को दृष्टिगत रखकर शैक्षणिक हस्तक्षेपों एवं नवाचारी युक्तियों के अनुप्रयोग की कुशलता विकसित करना।
- राष्ट्रीय एवम् अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट शिक्षा के सन्दर्भ में चलाये जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों तथा विकलांगता को दूर करने हेतु सूचना-प्रौद्योगिकी के योगदान से अवगत कराना।

पाठ्य–वस्तु (Content) 75 अंक

इकाई - १ : समावेशी शिक्षा- समावेशी शिक्षा की संकल्पना, राष्ट्रीय अर्न्तराष्ट्रीय स्तर पर समावेशन एवं द्विव्यांग बालकों के लिए प्रावधान नीतियों की संस्तुतियाँ।

इकाई - २ : समावेशी बालकों सम्बन्धी मुद्दे एवं चुनौतियाँ समावेशी बालक, पहचान सूची, कक्षा प्रबन्धन, समाजमिति, कार्यात्मक योग्यताओं का आंकलन , साहयाक सेवाएँ एवं संसाधित कक्ष।

इकाई - ३ : पाठ्यक्रम अनुशीलन- अवधारणा, उद्देश्य, पाठ्यक्रम अनुशीलन, पाठ्यक्रम शिक्षण विधियाँ, पाठ्यसहभागी क्रियाएँ।

इकाई - ४ : समावेशी शिक्षा एवं स्वयं सेवी संस्थाएँ- अवधारणा, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर स्वयं सेवी संस्थाओं की भूमिका समस्याएं एवं समाधान।

इकाई-५ : समावेशी शिक्षा एवं आई.सी.टी - अभिप्राय, समावेशी बालको के अनुरूप सूचना सम्प्रेषण तकनीकी का अनुप्रयोग।

सत्रीय कार्य : निम्नलिखित में से कोई दो 25 अंक

1. सुविधावंचित संवर्ग के किन्ही चयनित दो से तीन छात्रों का व्यष्टि अध्ययन करना।
2. समावेशित शिक्षा की चुनौतियों पर आधारित समूह परिचर्चा करना।
3. समावेशित शिक्षा के कृत शोधों का सार संक्षेप निर्माण एवं प्रस्तुतीकरण।

प्रश्नपत्र - 13 -II निर्देशन एवं उपबोधन

(Guidance & Counselling)

कोर्स कोड = 263(ii)
क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह

कुल क्रेडिटस = 04
कुल अंक = 100

अभीष्ट अधिगम परिणाम (Learning Outcomes)

- भारतीय संदर्भ में निर्देशन एवं उपबोधन की परिस्थितियों में प्रेक्षित समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना।
- निर्देशन की व्यावहारिक परिस्थितियों में गुणवता लाने हेतु कुशलता का विकास कराना।
- उपबोधन की परिस्थितियों को सुविधावंचित संवर्ग की समस्याओं के आधार पर व्यवस्थित करने की प्रवीणता विकसित करना।

पाठ्य–वस्तु (Content) — 75 अंक

इकाई - १ : निर्देशन- निर्देशन की मूलभूत अवधारणा (ऐतिहासिक एवं वर्तमान परिप्रेक्ष्य में), उद्देश्य, आवश्यकता, सिद्धान्त, प्रकार और निर्देशक के रूप में अध्यापक की भूमिका। शैक्षिक निर्देशन- अवधारणा, उद्देश्य, आवश्यकता, शैक्षिक निर्देशन के सिद्धान्त, प्रक्रिया एवं उसका कार्यक्षेत्र, विभिन्न अवस्थाओं में शैक्षिक निर्देशन-प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्चतर स्तर। व्यावसायिक निर्देशन- व्यावसायिक निर्देशन की अवधारणा, उद्देश्य, आवश्यकता, प्रक्रिया एवं कार्यविधि, व्यवसाय चयन एवं उसके सिद्धान्त, शैक्षिक एवं व्यावसायिक निर्देशन में सम्बन्ध।

इकाई - २ : उपबोधन- उपबोधन की अवधारणा, उपबोधन एवं निर्देशन में अन्तर, उपबोधन **प्रक्रिया के मूलभूत सिद्धान्त, उपबोधन के प्रकार-निदेशात्मक**, अनिदेशात्मक और संकल्पनात्मक (अर्थ, सोपान और इनकी सीमाएँ), अच्छे उपबोधक के गुण।

इकाई - ३ : निर्देशन एवं उपबोधन में साक्षात्कार विधि- अवधारणा, उद्देश्य, प्रकार, सोपान, सिद्धान्त, लाभ, सीमाएँ।

इकाई - ४ : निर्देशन सेवायें- सूचना सेवा, आत्म-तालिका सेवा, उपबोधन सेवा, स्थानन सेवा, अनुवर्त्ती सेवा और शोध सेवा (इनके महत्त्व, कार्य विधि और सीमाएँ) ।

इकाई - ५ : निर्देशन एवं उपबोधन में प्रयुक्त विविध परीक्षण- बुद्धिपरीक्षण, रुचि परीक्षण, अभिरुचि परीक्षण, उपलब्धि परीक्षण, व्यक्तित्व परीक्षण, परीक्षणेतर उपबोधन एवं निर्देशन हेतु उपकरण एवं युक्तियाँ।

प्रश्नपत्र - 13 - III पर्यावरण शिक्षा

(Environmental Education)

कोर्स कोड = 23(iii) कुल क्रेडिटस = 04

क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

अभीष्ट अधिगम परिणाम (Learning Outcomes)

- पर्यावरणीय विकृतियों से जनित समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना।
- पर्यावरण सुरक्षा के उपायों के बारे में जागरूकता लाना।
- पर्यावरण के कुशल प्रबन्धन हेतु युक्तियों एवं हस्तक्षेपों के बारे में कुशलता विकसित करना।
- राष्ट्रिय एवं वैश्विक संदर्भ में पर्यावरण की गुणवत्ता के आयामों के प्रति सजग दृष्टि विकसित करना।

पाठ्य–वस्तु (Content) 75 अंक

इकाई-१: पर्यावरण एवं परितंत्र- पर्यावरण-अभिप्राय, महत्त्व, पर्यावरणीय मण्डल (भू जैव-जल-वायु मण्डल) उर्जा के प्राकृतिक स्रोत एवं संसाधन । मानव पर्यावरण सम्बन्ध- मानवीय क्रियाएँ एवं पर्यावरण पर उनका प्रभाव । परितंत्र- सम्प्रत्यय संघटक, प्रकार, भू-जैव-रासायनिक चक्र (आक्सीजन, कार्बन, नाइट्रोजन चक्र) एवं उर्जा प्रवाह।

इकाई-२ : पर्यावरणीय प्रदूषण- प्रदूषक- अभिप्राय एवं प्रकार। प्रदूषण के प्रकार- वायु, जल, मृदा, ध्वनि, नाभिकीय प्रदूषण। प्रदूषकों का मनुष्य एवं अन्य जीवों पर दुष्प्रभाव।

इकाई-३: पर्यावरण शिक्षा-(प्राचीन एवं आधुनिक संन्दर्भ में)- प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं पर्यावरण। भारतीय वाङ्मय में पर्यावरण। वैश्विक स्तर पर पर्यावरणीय चिन्तन (1972 सम्मेलन UNEP, IEEP, महाधिकार पत्र, ब्रेलग्रेड घोषणा पत्र)। पर्यावरण शिक्षा- लक्ष्य, उद्देश्य, निर्देशक सिद्धान्त, शिक्षक की भूमिका।

इकाई-४: पर्यावरण शिक्षा पाठ्यक्रम एवं उपागम- पाठ्यक्रम-विभिन्न स्तरों पर पर्यावरण शिक्षा पाठ्यक्रम की प्रकृति एवं विशेषताएं। उपागम- औपचारिक एवं निरौपचारिक। (सम्मेलन,कार्यशाला, क्रीड़ा एवं अनुरूपण, पारिस्थितिकी क्लब, जागरूकता अभियान) जनसंचार साधनों एवं स्वयं सेवी संगठनों की भूमिका ।

इकाई-५: पर्यावरण संरक्षण एवं सुधार- पर्यावरण प्रबन्धन- अभिप्राय, पक्ष एवं आयाम (स्थानीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय), MDG, सुस्थिर विकास । e-Waste, जल संरक्षण एवं जल संरक्षण अभियान अपशिष्ट प्रबन्धन, अपशिष्ट से उर्जा, वैकल्पिक उर्जा स्रोत। पर्यावरण संरक्षण अधिनियम एवं प्रयास - पर्यावरण संरक्षण अधिनियम (1986), UNFCCC, COP, Rio Summit, Kyoto Protocal, Paris Agreement, CBD, अन्तर्राष्ट्रीय सौर गठबन्धन।

सत्रीय कार्य : निम्नलिखित में से कोई दो 25 अंक

1. पर्यावरणीय प्रदूषण के किसी एक दो अनुक्षेत्र में क्रियात्मक अनुसंधान की परियोजना विकसित करना एवं उनकी क्रियान्विति पर आधारित प्रतिवेदन लेखन।

प्रश्नपत्र - 13 - IV तुलनात्मक शिक्षा

(Comparative Education)

क़ोर्स कोड = 2**63**(iv) | कुल क्रेडिटस = 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह | कुल अंक = 100

अभीष्ट अधिगम परिणाम (Learning Outcomes)

- भारतीय शिक्षा प्रणाली के संदर्भ में विभिन्न देशों की शिक्षा प्रणालियों के सापेक्ष प्रेक्षित शैक्षिक संरचनाओं समस्याओं एवं नवाचारी कार्यक्रमों के प्रतिसंवेदनशीलता विकसित करना।
- भारतीय शिक्षा व्यवस्था में प्रयुक्त संरचनात्मक हस्तक्षेपों के प्रभावों का समीक्षात्मक विश्लेषण करना।
- भारतीय शिक्षा की समस्याओं का प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने हेतु आपेक्षित समीक्षात्मक दृष्टि विकसित करना।

पाठ्य–वस्तु (Content) 75 अंक

इकाई - १ : तुलनात्मक शिक्षा- आवधारणा- आवश्यकता, महत्त्व, विधियां, क्षेत्र, बाह्य-अन्त: शैक्षिक विश्लेषण। लोकतंत्र एवं राष्ट्रीयता की अवधारणा के आलोक में विभिन्न देशों की शिक्षा-प्रणालियाँ। तुलनात्मक शिक्षा के कारक एवं उपागम- भौगोलिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, समाजशास्त्रीय, दार्शनिक, भाषा, वैज्ञानिक, ऐतिहासिक, पारिस्थितिक, संरचनात्मक एवं कार्यात्मक।

इकाई २ : विभिन्न देशों की शिक्षा पद्धति का तुलनात्मक अध्ययन- प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च एवं शिक्षक शिक्षा-(अमेरिका, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया एवं भारत के सन्दर्भ में)- स्वरूप, उद्देश्य एवं पाठ्यक्रम।

इकाई ३ :वैश्विक शिक्षा संदर्भ शिक्षा की आधुनिक प्रवृत्तियाँ- राष्ट्रीय एवं वैश्विक। विभिन्न देशों के लोगों के शैक्षिक समुन्नयन में संयुक्त राष्ट्रसंघ की भूमिका। विकासशील देशों का अध्ययन (विशेषतया भारत के सन्दर्भ में)- समस्यायें उनके कारक एवं शैक्षिक समाधान।

इकाई ४ : शिक्षा की विभिन्न प्रणालियों का तुलनात्मक अध्ययन (ब्रिटेन, अमेरिका, आस्ट्रेलिया एवं भारत के सन्दर्भ में)- परीक्षा प्रणाली, शैक्षिक प्रबन्धन प्रणाली, मूल्यपरक शिक्षा, व्यवसायिक शिक्षा एवं दूरवर्ती शिक्षा।

इकाई ५ : तुलनात्मक शिक्षा की भारतीय परिप्रेक्ष्य में प्रासंगिकता- अमेरिका, ब्रिटेन तथा आस्ट्रेलिया की शिक्षा व्यवस्था की विशेषतायें एवं भारतीय शिक्षा व्यवस्था में उनके समावेश की संभावनायें।

प्रश्नपत्र - 13 - V भाषा शिक्षा

(Language Education)

कोर्स कोड = 263 (v) कुल क्रेडिट्स = 04

क्रिन्यान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

अभीष्ट अधिगम परिणाम (Learning Outcomes)

- भाषा शिक्षण एवं अधिगम की परिस्थितियों को अधिगमकर्त्ता की आवश्यता के अनुरूप अभिकल्पित करने की दक्षता विकसित करना।
- भाषा शिक्षण के विशेषज्ञ प्रशिक्षकों को तैयार करना।
- भाषा की प्रकृति एवं अधिगमकर्त्ता की आवश्यकता के सापेक्ष संगति बनाने वाली युक्तियों का विशेषज्ञ प्रशिक्षक बनाना।

पाठ्य–वस्तु (Content) 75 अंक

इकाई १ : भाषा- भाषाशिक्षण, योजना, प्रकृति, कार्य और निहितार्थ। भाषा विज्ञान के परिप्रेक्ष्य में भाषा की प्रकृति कार्य विश्लेषण, रचना। ध्वनिविज्ञान, पदविज्ञान एवं वाक्यविज्ञान प्रमुख सिद्धान्त एवं शिक्षण हेतु अपेक्षित सावधानियाँ। भाषाशिक्षण एवं अधिगम का मनोविज्ञान - भारतीय परम्परा : यास्क, पाणिनि, पतंजलि एवं भर्तृहरि का योगदान। पाश्चात्यपरम्परा : व्यवहारवादी उपागम, संज्ञानात्मक उपागम, संप्रेषणात्मक उपागम। मनोभाषिक उपागम : भाषाशिक्षण अधिगम के मनोविज्ञान का सिद्धान्त।

इकाई २ : भाषाशिक्षण और अधिगम का शिक्षाशास्त्र - भाषाशिक्षण प्रथमभाषा एवं द्वितीयभाषा - उद्देश्य, संरचना, सामग्रीनिर्माण, मूल्यांकन, प्रभावित करने वाले कारक। भाषा पाठ्यचर्या एवं पाठ्यक्रम विकास: आयाम, प्रभावित करने वाले कारक, मूल्यांकन। प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्चस्तर भाषायी कौशलों का विकास। भाषा अधिगम में वैयक्तिकरण- आवश्यक, प्रविधियां, कक्षागतकार्य और सत्रीयकार्य।

इकाई ३: भाषाशिक्षण में अनुसंधान - पठन एवं लेखन अनुसंधान, निर्देशन ओर प्राथमिकतायें।

सन्दर्भगत समस्यायें 'भारत का बहुभाषीय सन्दर्भ' संवैधानिक प्रावधान- त्रिभाषासूत्र, राष्ट्रीय शिक्षानीति 1968, 1986, 1992 और राष्ट्रीय स्कूल पाठ्यचर्या 2005 की संस्तुतियां।

इकाई ४ : पाठ्यचर्याविकास 'भारत के बहुभाषीय सन्दर्भ में'-केन्द्रिकतत्त्व, प्रविधियां, मूल्यांकन। भाषा अध्यापकों को तैयार करना : पूर्वसेवाशिक्षा, सेवारत शिक्षा एवं व्यावसायिक विकास। भाषाशिक्षण भाषासाक्षरता प्रकृति, अन्तर, अन्त: सम्बन्ध, शिक्षण और मूल्यांकन की प्रविधियां। आवश्यकता आधारित पठन व लेखन कार्यक्रम। भाषाशिक्षा में सृजनात्मकता और इसको विकसित करने की प्रविधियां।

इकाई ५ : भाषा विज्ञान में संलग्न विभिन्न संस्थाओं की भूमिका- भाषा विकास में संलग्न संस्थाएं -केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली, केन्द्रीय भाषा संस्थान मैसूर, इंगलिश एवं विदेश भाषा विश्वविद्यालय हैदराबाद। भाषा

लघु शोध प्रबन्ध

पूर्व लघुशोध प्रबन्ध संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण ।

लघुशोध प्रबन्ध

पूर्व लघुशोध प्रबन्ध संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण ।

लघुशोध प्रबन्ध

(Dissertation)

कोर्स कोड = 263

कुल क्रेडिटस = 08

कुल अंक = 200

शिक्षाचार्य के लघुशोध प्रबन्ध हेतु
(विभागीय समिति का प्रस्ताव)

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षापरिषद् के आदेशानुसार लघुशोध प्रबन्ध का पाठ्यक्रम निरन्तरता के साथ संचालित किया जायेगा जिसमें छात्र– **प्रथम सेमेस्टर** में लघु शोध प्रबन्ध हेतु शीर्षक एवं मार्गदर्शक का चयन करेंगे। **द्वितीय सेमेस्टर** में चयनित विषय से सम्बन्धित साहित्य का सर्वेक्षण, शोध संक्षिप्तिका लेखन एवं प्रस्तुतीकरण करेंगे। **तृतीय सेमेस्टर** में शोध उपकरण निर्माण, प्रतिदर्श चयन एवं शोध सम्बन्धित प्रदत्त संकलन कार्य करेंगे। **चतुर्थ सेमेस्टर** में शोध सम्बन्धित संकलित आधार सामग्री का विश्लेषण एवं निर्वचन कर शोध प्रबन्ध का लेखन कार्य पूर्ण करेंगे जिसे प्रीसबमिशन सेमीनार के रूप में भी प्रस्तुत करना होगा। तदनुसार विभागीय समिति के द्वारा अपेक्षानुसार अनुमोदित किया जायेगा एवं इस पर मूल्यांकन हेतु कारवाई की जायेगी।

चतुर्थ सेमेस्टर में लघुशोध प्रबन्ध हेतु पाठ्यक्रमीय क्रियाएं

1. मार्गदर्शक के साथ सम्पर्क कक्षा (Contact Class) प्रतिदिन 2 घण्टे।
2. अपने शोध सम्बन्धित संकलित आधार सामग्री का संगठन एवं विश्लेषण कार्य।
3. **लघुशोधप्रबन्ध का प्रस्तावित अध्यायों के रूप में लेखन कार्य।**
4. प्रीसबमिशन सेमीनार (Presubmission Seminar) प्रस्तुतीकरण हेतु **प्रस्ताव तैयार करना।**

लघुशोध प्रबन्ध हेतु अंक वितरण

पूर्व लघुशोध प्रबन्ध संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण	= 50 अंक
लघुशोध प्रबन्ध	= 100 अंक
मौखिकी	= 50 अंक

****